सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" पछतावा अतीत नहीं बदल सकता और चिंता भविष्य नहीं सँवार सकती ! इसलिए वर्तमान का आनंद लेना ही जीवन का सच्चा सुख है !!...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–243 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 21 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

गणेश विसर्जन के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग शुरू, निगम की अपील – प्रतिबंधित तालाबों में न करें विसर्जन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

गणेश उत्सव के दौरान विसर्जन को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने के लिए भिलाई नगर निगम ने "स्वच्छ गणेश उत्सव-भिलाई 2026" की पहल शुरू की है। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे बप्पा की विदाई से पहले अपना विसर्जन स्लॉट ऑनलाइन बुक कर लें।

निगम के अनुसार भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए श्रद्धालु भिलाई मित्र पोर्टल पर जाकर अपनी सुविधा के अनुसार विसर्जन का समय चुन सकते हैं। विसर्जन के लिए तालाबों को चिन्हित किया गया है, केवल उन्हीं चिन्हित तालाबों में मूर्ति विसर्जन करने को कहा गया है। प्रतिबंधित तालाबों में विसर्जन न करने की अपील की गई है।

स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया

भिलाई मित्र पोर्टल पर लॉगिन करें। अपनी सुविधा के अनुसार समय स्लॉट चुनें। निर्धारित समय पर पहुंचकर व्यवस्थित विसर्जन करें। निगम ने पर्यावरण-अनुकूल उत्सव मनाने की अपील करते हुए कहा है कि "मूषक मामा का संदेश" भी नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित कर रहा है।

नक्सलियों के ठिकाने से हथियारों का जखीरा बरामद

कांकेर। सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नक्सलियों के एक ठिकाने से अङ-47 समेत तीन रायफल और बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद हथियारों के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि जंगल क्षेत्र में नक्सलियों ने हथियार और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी है। सूचना के आधार पर जवानों ने इलाके में अभियान चलाया और तलाशी के दौरान हथियारों का जखीरा बरामद किया। नक्सली सामग्री बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट सर्च अभियान के दौरान जवानों को अङ-47 राइफल, अन्य हथियार और जिंदा कारतूस मिले। सुरक्षा बलों ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

27 सितंबर को दुर्ग में सजेगी सुरों की महफिल, नागपुर के शकील अली और रूपाली साखरे देंगे प्रस्तुति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रफी फाउंडेशन और दैनिक समाचार पत्र 'नई दृष्टि बिंदु' के संयुक्त तत्वावधान में 27 सितंबर को 'दुर्ग-भिलाई के सुरों एवं वाद्य यंत्रों का भव्य संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। लता मंगेशकर जी की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित इस संगीतमय शाम में सदाबहार नगमे गूंजेंगे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नागपुर से आ रहे गायक शकील अली होंगे, जो मोहम्मद रफी साहब के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देंगे। वहीं दुर्ग की छत्तीसगढ़ी एल्बम गायिका रूपाली साखरे लता जी के गीतों से शाम को भावपूर्ण बनाएंगी।

इसके अलावा डॉ. पाटिल, अलख नवरंग, एमआई खान, राजेश शर्मा, तृप्ति साहू, रितु कसेर, आफताब आलम, साधना कुलदीप, प्रकाश सोनी और संजय लारोकर भी गायन प्रस्तुति देंगे। वाद्य यंत्रों की विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर अल्का बाघमार और अध्यक्षता SSP विजय अग्रवाल करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में BSF कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन जयंत बनर्जी करेंगे। सहयोगी हाजी मिर्जा साजिद और नवेद रजा दुर्गवी हैं। आयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने सभी संगीत प्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

पुलिस कस्टडी में बर्बरता : पिटाई से टूटा पैर इलाज में देरी से गैंगरीन लीवर तक फैला

युवक जिंदगी–मौत के बीच

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुपेला पुलिस की हिरासत में बर्बर पिटाई और उसके बाद इलाज में लापरवाही का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कस्टडी में युवक का पैर टूट गया और समय पर इलाज न मिलने से गैंगरीन पैर से लीवर तक फैल गया। पीड़ित की हालत नाजुक बनी हुई है।

28 अगस्त को सुपेला थाना क्षेत्र में हुई चाकूबाजी की घटना में पुलिस ने योगेश्वर वर्मा उर्फ 'बिच्छू' को गिरफ्तार किया था। अस्पताल में भर्ती योगेश्वर ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार गिरफ्तारी के बाद सुपेला थाने में थाना प्रभारी, ड्यूटी पर मौजूद एएसआई और रात्रि गश्त में तैनात सिपाहियों ने उसके साथ थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया। बेदर्दी से की गई मारपीट में उसका पैर टूट गया।

इलाज में लापरवाही का आरोप

परिजनों का आरोप है कि पैर टूटने के बाद भी युवक को समय पर उचित इलाज नहीं दिया गया। कस्टडी में ही दर्द से तड़पता रहा। देरी के कारण घाव में गैंगरीन फैल गया जो अब लीवर तक पहुंच चुका है। डॉक्टरों के अनुसार संक्रमण पूरे शरीर में फैलने से उसकी जान पर बन आई

है और वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

मामले के सामने आने के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या के प्रयास सहित कठोर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि युवक की हालत बेहद गंभीर है और उसे बचाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

जामुल में शराब पार्टी के दौरान विवाद, युवक की ईंट-पत्थर से पीट-पीटकर हत्या, मामा-भांजा हिरासत में

दुर्ग। जामुल थाना क्षेत्र के वार्ड-22 कुरूद बाजार चौक में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के आरोपी समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय पुरण भारती के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उतई का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार वार्ड-22 में एक कमरे में मामा मनीष बघेल और भांजा राज जोशी बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान मनीष का दोस्त पुरण भारती वहां पहुंचा। शराब पीने के दौरान तीनों के बीच आपसी कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि राज जोशी ने गुस्से में आकर पुरण के सिर पर ईंट और पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में पुरण की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी के मामा मनीष बघेल ने खुद ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और मामा-भांजा दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज, कचांदूर भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहन नगर में नंबर प्लेट घोटाला : बिना नंबर की गाड़ी बेचकर दूसरे का नंबर लगाया, 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मोहन नगर पुलिस ने बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ी की खरीदी-बिक्री और दूसरे वाहन के नंबर के दुरुपयोग के मामले में फरार 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना मोहन नगर में दर्ज अपराध क्रमांक 600/2026 में पुलिस ने पहले आरोपी विजय सेन को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में इस रैकेट के अन्य आरोपियों का नाम सामने आया।

जांच में पता चला कि आरोपियों ने बिना पंजीयन नंबर की गाड़ी बेची और उसे चलाने के लिए किसी दूसरी गाड़ी का नंबर प्लेट लगा दिया। इसी कारण असली वाहन मालिक को लगातार ट्रैफिक चालान और टोल के मैसेज आ रहे थे। शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। पतासाजी के बाद पुलिस ने रोहित कुमार कंकरिया (51) निवासी सिंधिया नगर दुर्ग और अनूप रावलानी (55) निवासी नेहरू नगर भिलाई को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ BNS की धारा 336(3), 340(2), 345(3), 347(1), 3(5) के तहत कार्रवाई जारी है। पुलिस ने अपील की है कि वाहन खरीदते-बेचते समय रजिस्ट्रेशन और दस्तावेजों का सत्यापन जरूर करें।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में 20 नेताओं की घर वापसी, निष्कासन रद्द, अमित जोगी समेत 16 पर सस्पेंस बरकरार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में निष्कासित नेताओं की वापसी का रास्ता खुल गया है। प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति की 18 सितंबर को हुई बैठक के बाद 20 नेताओं का निष्कासन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। ढउउ ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कुल 36 निष्कासित नेताओं ने पार्टी में वापसी के लिए आवेदन दिया था। इनमें से 20 के आवेदनों पर सहमति बन गई और उन्हें राहत दे दी गई। वहीं अमित जोगी समेत 16 नेताओं के भविष्य पर अभी फैसला नहीं हो पाया है। इन आवेदनों को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि चुनाव के दौरान अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते इन नेताओं को निष्कासित किया गया था। अब आगामी निकाय और पंचायत चुनावों को देखते हुए कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुट गई है।

रायपुर में भारी वाहनों पर नया आदेश, रात 2 बजे बाद ही मिलेगी एंट्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गणेशोत्सव और प्रतिमा विसर्जन के दौरान शहर में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रायपुर प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। शहर की सड़कों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारी वाहनों के प्रवेश का समय निर्धारित कर दिया गया है।

रायपुर कमिश्नर ने धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए भारी वाहनों की शहर में एंट्री के लिए समय सीमा तय की है। नए आदेश के अनुसार अब भारी वाहन रात 2 बजे के बाद ही शहर में प्रवेश कर सकेंगे। वहीं हल्के भारी वाहनों को रात 11 बजे के बाद प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। गणेशोत्सव के दौरान यातायात दबाव कम करने की पहल गणेशोत्सव के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सड़कों पर निकलते हैं। कई जगहों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ-साथ विसर्जन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के दौरान प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात का दबाव बढ़ जाता है। भारी वाहनों की आवाजाही से आम लोगों को परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे, इसे देखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

रात में ही मिल सकेगा भारी वाहनों को प्रवेश प्रशासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक भारी वाहनों के शहर में प्रवेश का समय रात 2 बजे के बाद निर्धारित किया गया है। इसके अलावा हल्के भारी वाहनों को रात 11 बजे के बाद शहर में आने की अनुमति होगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य दिन के समय शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव कम करना और गणेशोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को आसान बनाना है।

प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से निर्धारित समय का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा है कि त्योहार के दौरान आम लोगों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। वाहन चालकों से कहा गया है कि वे तय समय से पहले शहर में प्रवेश करने से बचें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। विसर्जन कार्यक्रमों को देखते हुए बढ़ाई गई सतर्कता गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान शहर के कई इलाकों में जुलूस और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

सड़कों पर भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है। प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को लेकर लगातार तैयारियां की जा रही हैं। भारी वाहनों के प्रवेश पर समय सीमा लगाने का फैसला इसी व्यवस्था का हिस्सा है। प्रशासन का कहना है कि त्योहार के दौरान नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

ताड़ोकी–रावघाट रेलखंड पर जल्द दौड़ेगी यात्री ट्रेन

CRS निरीक्षण के बाद परिचालन को मंजूरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-कांकेर

बस्तर को रेल मानचित्र पर जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। ताड़ोकी-रावघाट रेलखंड पर यात्री परिचालन का रास्ता साफ हो गया है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र और भारतीय रेल के संयुक्त प्रोजेक्ट के तहत दक्षिण-पूर्व परिमंडल कोलकाता के रेलवे संरक्षा आयुक्त द्वारा 22 सितंबर 2026 को इस खंड का निरीक्षण कर स्वीकृति दी जाएगी, जिसके बाद यात्री ट्रेन शुरू करने की अंतिम प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। इससे पहले 17 जून को 58 वैगन वाली BOXN रेक के जरिए तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया था।

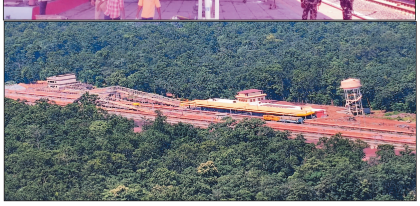

95 किमी लंबी इस परियोजना पर सेल अब तक 1,735 करोड़ निवेश कर चुका है, कुल लागत 1,880 करोड़ से अधिक है। 2008 में शुरू हुई यह परियोजना मूलतः लौह अयस्क परिवहन के लिए थी, लेकिन अब यह बस्तर के सामाजिक-आर्थिक विकास की लाइफलाइन बन गई है। दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बनने के कारण इसका निर्माण चुनौतीपूर्ण रहा।

2022 में दल्लीराजहरा-ताड़ोकी तक यात्री सेवा शुरू होने से स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में लाभ मिला है। रावघाट तक विस्तार से बस्तर के दूरस्थ इलाकों का सीधा संपर्क रायपुर समेत देश के बड़े शहरों से हो जाएगा और इरढ के लिए अयस्क लॉजिस्टिक्स भी मजबूत होगी।

BSP प्लांट में कॉपर वायर चोरी कांड : फरार 2 आरोपी गिरफ्तार, 160 किलो तार पहले ही हो चुका है बरामद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट में कॉपर वायर चोरी के मामले में भिलाई भट्ठी पुलिस ने फरार चल रहे 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस केस में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 4 हो गई है। मामला 12 अगस्त की रात का है। जंक्शन-12, कोक ओवन क्षेत्र की गैलरी से कॉपर वायर चोरी कर ले जाते हुए CISF/BSP सुरक्षा टीम ने कुछ लोगों को पकड़ा था। रिपोर्ट पर थाना भिलाई भट्ठी में अपराध दर्ज कर पुलिस ने ग्राम जोरातराई से घनश्याम मंडावी सहित 2 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर उनके पास से 160 किलो कॉपर वायर (40 हजार) और एक स्मार्टफोन जब्त किया था।

विवेचना के दौरान फरार 2 अन्य आरोपियों की तलाश जारी थी। 20 सितंबर को पुलिस ने ग्राम जोरातराई में दबिश देकर निखिल कुमार साहू (20) और किशन ठाकुर (22) दोनों निवासी जोरातराई, थाना उतई को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने प्लांट में चोरी में शामिल होना स्वीकार किया, जिसके बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने दीवार फांदकर प्लांट में प्रवेश कर चोरी की थी।

जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" संकल्प अभियान का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मेरा युवा भारत, जिला दुर्ग के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" संकल्प अभियान का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों को पौधा भेंट कर किया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर नशा मुक्त भारत के लिए चलाए जा रहे 100 सप्ताह के विशेष अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर उन्हें नशा मुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य शंकर प्रसाद एवं मेरा युवा भारत, दुर्ग के अधिकारी क्षितिज की गरिमामय उपस्थिति रही। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने नशामुक्ति विषय पर स्लोगन लेखन,

भाषण, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक एवं सेमिनार के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी, दुर्ग द्वारा विद्यार्थियों को मेरा युवा भारत पोर्टल के उद्देश्यों, युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों तथा VBYLD (विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग) के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने विकसित भारत 2047 के संकल्प में युवाओं की भूमिका एवं नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला। अंत में सभी विद्यार्थियों ने संकल्प चक्र बनाकर नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन नशा मुक्त, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

खास खबर

पाँच बिल्डिंग दुर्गोत्सव समिति की नई कार्यकारिणी गठित, क्वॉर नवरात्रि के भव्य आयोजन की तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पाँच बिल्डिंग दुर्गोत्सव समिति के 34वें वर्ष के आयोजन को लेकर माँ दुर्गा मंच परिसर, पाँच बिल्डिंग कॉलोनी, दुर्ग में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 11 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ होने वाले क्वॉर नवरात्रि पर्व को भव्य, गरिमामय एवं सफल रूप से आयोजित करने को लेकर विस्तृत रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में नवरात्रि आयोजन की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। साथ ही समिति द्वारा वर्ष 2025 के आय-व्यय का पूर्ण ब्योरा प्रस्तुत कर उसकी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान वर्ष 2026 के लिए पाँच बिल्डिंग दुर्गोत्सव समिति की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से पुनर्गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में विजय लहरे, अनुरूप साहू एवं श्रीमती बबीता गुड्डु यादव (पार्षद) को जिम्मेदारी दी गई। प्रमुख सलाहकार जी.एस. ताम्रकार एवं भानु प्रताप यादव बनाए गए। अध्यक्ष संतोष सिंह ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रफुल्ल बैस एवं संतोष सिंह राजपूत, महासचिव धर्मेन्द्र देशमुख एवं ओंकार देवांगन तथा कोषाध्यक्ष रवि सिंह ठाकुर एवं लाखन सिंह राजपूत नियुक्त किए गए। इसी प्रकार सांस्कृतिक महासचिव के रूप में गौरीशंकर रावना एवं चन्द्रभान चन्द्राकर तथा सचिव के रूप में विकास शर्मा, रूपेन्द्र साहू (छोटे) एवं रवि कहार को जिम्मेदारी सौंपी गई।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने समिति द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने तथा आगामी क्वॉर नवरात्रि पर्व को धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता एवं गरिमामय वातावरण के साथ भव्य रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया। बैठक के समापन पर समिति के सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

परिग्रह दुख की जड़, आत्मा की रक्षा के लिए जागृत रहना जरूरी : अक्षयमुनिजी

तपस्वी- रत्ना रितु बाफना बालोद

बालोद। समता भवन में चातुर्मास श्रृंखला के तहत आयोजित धर्मसभा में जैन संत शासन दीपक अक्षयमुनिजी मसा ने कहा कि मनुष्य आवश्यकता से अधिक चिंतन में अपना जीवन व्यतीत कर देता है। जो हमारे हाथ में नहीं है, उसके बारे में चिंतन करने के बजाय आत्मचिंतन और जागरूकता जरूरी है। मानव जीवन अत्यंत मूल्यवान है, लेकिन मनुष्य तुच्छ विषयों में उलझकर इसकी महत्ता को भूलता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उम्र बढ़ रही है और जो समय बीत गया, वह वापस लौटकर नहीं आता। इसलिए मनुष्य को यह विचार करना चाहिए कि वह अपने जीवन और आत्मा की रक्षा के लिए क्या कर रहा है। संसार में बाहरी साधनों को हम अपना मान लेते हैं, जबकि वास्तव में हमारे साथ केवल आत्मा का संबंध है। परिग्रह दुख की जड़ है और मूर्छा ही परिग्रह है। जैन संत ने कहा कि संसार में सुख और दुख दोनों हैं। सुख के बाद दुख और दुख के बाद सुख का क्रम चलता रहता है। परिस्थितियों के अनुसार मनुष्य के विचार भी बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रत्येक परिस्थिति को सकारात्मक दृष्टि से देखने का प्रयास करना चाहिए। सत्संग का उद्देश्य भी यही है कि मनुष्य का विवेक जागृत रहे और वह अच्छे-बुरे का सही निर्णय कर सके।

उन्होंने पर्यावरण और जीवों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पानी, पक्षी, पेड़-पौधे और सभी प्राणियों के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। विकास और मशीनों के बढ़ते उपयोग के साथ प्रकृति का दोहन भी बढ़ा है। बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी जीवों के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए। जो जन्मा है, उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन यह प्रयास होना चाहिए कि किसी प्राणी की मृत्यु हमारी वजह से न हो। अक्षयमुनिजी ने कहा कि गलत कर्मों का परिणाम मनुष्य को लंबे समय तक भोगना पड़ता है। इसलिए जीवन में नेक कार्य करने और अच्छे लोगों की संगति में रहने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुख की स्वीकृति ही दुख से मुक्ति का मार्ग बन सकती है। सज्जनों के प्रति उदारता, स्वजनों के प्रति प्रीति, परजनों के प्रति दया, विद्वानों के प्रति नम्रता, बड़ों के प्रति क्षमा और विपरीत परिस्थितियों में नीति एवं वीरता जैसे गुण जीवन को सार्थक बनाते हैं।

तीन तपस्वियों ने लिया उपवास का संकल्प

जैन संत अक्षयमुनिजी की प्रेरणा से धर्मसभा में तपस्वी रत्न सोनम श्रीश्रीमाल ने 21 उपवास, श्रीमती रितु बाफना ने 20 उपवास तथा कुमारी भाविका सोनी ने 9 उपवास की तपस्या का संकल्प ग्रहण किया। धर्मसभा में आवरी माता आसावरा (राजस्थान), कांटाभांजी (ओडिशा) सहित विभिन्न अंचलों से पहुंचे धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने जैन संत के दर्शन एवं प्रवचन का लाभ लिया।चाहें तो इसे मैं 4 कॉलम की बड़ी खबर, आकर्षक मुख्य शीर्षक + उपशीर्षक और अखबार की शैली में और विस्तार देकर भी तैयार कर सकता हूं।

आकाशीय बिजली का कहर, 4 लोगों की मौत

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में मौसम बदलने के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। बलौदाबाजार जिले के ग्राम सेमरिया में रविवार दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 15 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। वहीं इससे एक दिन पहले जांजगीर-चांपा जिले में भी बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अपने मन के मकान में थोड़ी सी जगह दे दे, मुझको भी जीने की वजह दे दे

गणपति विहार में बिखरी कविता की खुशबू, हास्य-व्यंग्य और संवेदनाओं से सजी काव्य संध्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गणपति विहार फर्स्ट फेस 'सहयोग' की ओर से आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में कविता के विविध रंग देखने को मिले। हास्य, व्यंग्य, प्रेम, राष्ट्रभाव, सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं से सजी इस काव्य संध्या में महिला कवयित्रियों ने अपनी सशक्त रचनाओं से विशेष प्रभाव छोड़ा, वहीं हास्य और व्यंग्य की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को देर तक गुदगुदाया।

कार्यक्रम के सूत्रधार प्रोफेसर अंबरीश त्रिपाठी रहे, जबकि प्रमुख संचालक एवं संयोजक आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपनी चुटीली, सहज और प्रभावशाली शैली से पूरे आयोजन को जीवंत बनाए रखा। उन्होंने हास्य-चुटकुलों, पति-पत्नी के रिश्तों पर रोचक कटाक्ष तथा जीवन की छोटी-बड़ी विसंगतियों को व्यंग्य के माध्यम से प्रस्तुत कर श्रोताओं को खूब हंसाया। उनके संचालन की विशेषता यह रही कि हास्य केवल ठहाकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसके भीतर जीवन, रिश्तों और सामाजिक व्यवहार पर विचार करने का संदेश भी दिखाई दिया। कवि के.डी. वैष्णव ने 'बीड़ी और पीढ़ी' के माध्यम से बदलते सामाजिक परिवेश पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। उन्होंने बीड़ी के धीरे-धीरे विलुप्त होने के बहाने उस पीढ़ी के बदलते स्वरूप को रेखांकित किया, जो समाज, संस्कृति और परंपराओं की चर्चा किया करती थी। उनकी प्रस्तुति ने श्रोताओं को हंसाने के साथ-साथ बदलते सामाजिक मूल्यों पर सोचने के लिए भी प्रेरित किया। हेमलाल कुरेशिया ने जल संरक्षण और राष्ट्रप्रेम को अपनी रचनाओं का विषय बनाया। 'जल की कल-कल में भी मैं एक नया राग सुनता हूं' के माध्यम से उन्होंने जल को जीवन का आधार बताते हुए उसके संरक्षण का संदेश दिया। वहीं 'मेरे सीने में भी तो हिन्दुस्तान है' के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भूमिका और तिरंगे के प्रति गौरव की भावना को स्वर दिया।

श्रीमती प्रेम सिंह 'काव्या' ने गुरु महिमा पर भावपूर्ण रचना प्रस्तुत की। 'इस जनम में हमको कितने दान मिल गए, गुरु क्या मिले भगवान मिल गए' जैसी पंक्तियों ने गुरु के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता की भावना को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया और श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। श्रीमती वेणु कुरेशिया ने बदलते बचपन की तस्वीर को बेहद मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। 'कभी आंगन में खेला करता था बचपन, अब स्क्रीन में सिमट गया है बचपन' के माध्यम से उन्होंने मोबाइल और स्क्रीन के बढ़ते प्रभाव पर संवेदनशील प्रश्न उठाया। उनकी रचना ने यह संदेश भी दिया कि बच्चे केवल वही नहीं सीखते जो उन्हें सिखाया जाता है, बल्कि वे अपने बड़ों के व्यवहार और आचरण से भी बहुत कुछ सीखते हैं। श्रीमती सुनीता परगनिहा ने रिश्तों की पहचान और मन की दुविधा को अपनी कविता में स्वर दिया - 'मेरी अंतः की आवाज कहने लगी है आज, कौन है अपना, कौन पराया...' उनकी रचना ने मानवीय संबंधों की संवेदनशीलता और बदलते रिश्तों के भाव को प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। श्रीमती अल्पना त्रिपाठी तथा अन्य रचनाकारों ने भी अपनी विविध रचनाओं से काव्य संध्या को समृद्ध किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपने प्रेम-केंद्रित काव्य संग्रह 'मुझको भी जीने की वजह दे दे' की प्रति प्रोफेसर अंबरीश त्रिपाठी को सप्रेम भेंट की। यह आत्मीय क्षण पूरे आयोजन की साहित्यिक गरिमा को और बढ़ा गया। प्रेम की संवेदना को व्यक्त करते हुए उन्होंने अपनी चर्चित पंक्तियां प्रस्तुत कीं - 'अपने मन के मकान में थोड़ी सी जगह दे दे, मुझको भी जीने की वजह दे दे।' उनकी इन पंक्तियों को श्रोताओं ने सराहा। कार्यक्रम में के.डी. वैष्णव, आचार्य डॉ. अजय आर्य, राजेंद्र शर्मा, हेमलाल कुरेशिया, श्रीमती अल्पना त्रिपाठी, श्रीमती प्रेम सिंह 'काव्या', श्रीमती वेणु कुरेशिया, श्रीमती सुनीता परगनिहा सहित अन्य कवि-कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

सेवा ही संकल्प व स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भिलाई निगम क्षेत्र में विविध गतिविधियां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह के निदेर्शानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में सेवा ही संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत निगम क्षेत्र में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

अभियान के तहत 19 सितंबर को जोन क्रमांक-3 क्षेत्र में दो स्थानों को पूर्ण रूप से ऋ्रूढ (गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट) मुक्त करते हुए वहां सौंदर्यीकरण कार्य कराया गया। कचरा एकत्रित होने वाले इन स्थानों की साफ-सफाई कर क्षेत्र को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया। साथ ही क्षेत्र में स्थित जर्जर सुलभ शौचालय के कायाकल्प का कार्य भी किया जा रहा है। निगम द्वारा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं बेहतर नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए ऐसे स्थानों को व्यवस्थित किया जा रहा है।

इसी क्रम में जोन क्रमांक-1 अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोसानगर में सेवा ही संकल्प अभियान के अंतर्गत ॡमेरे सपनों का भारतॡ विषय पर विद्यालय स्तरीय ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी कल्पनाओं और रचनात्मकता को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

बच्चों ने अपनी सुंदर कलाकृतियों के माध्यम से ॡस्वच्छ भारतॡ एवं ॡविकसित भारतॡ के सपनों को अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों की चित्रकारी में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, विकास एवं देश के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। नगर निगम भिलाई द्वारा सेवा ही संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा बच्चों एवं नागरिकों में स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

मानव मिलन सम्मेलन में संत कालिदास जी महाराज को मानव रत्न अलंकरण से किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मानव मिलन का 32 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जैन संत एवं मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्र संत मणिभद्र मुनि जी महाराज के पावन सानिध्य में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में नेपाल सहित देश के विभिन्न शहरों से मानव मिलन संस्था से जुड़े प्रतिनिधियों एवं गुरुभक्तों ने सहभागिता की।

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ परिवार के बैनर तले आयोजित सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संस्था द्वारा संचालित सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी साझा की। सम्मेलन के दौरान मानव मिलन के सेवा एवं सामाजिक सरोकारों को और व्यापक बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।आयोजित धर्मसभा में मानव कल्याण, जीव दया एवं सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए महामंडलेश्वर संत कालिदास जी महाराज को इस वर्ष के मानव रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। संत कालिदास जी महाराज विगत 48 वर्षों से अपनी कठोर तप साधना के लिए प्रसिद्ध हैं। वे प्रतिदिन केवल एक बार नारियल पानी ग्रहण करते हैं। चारों नवरात्रि के अवसर पर उनका नौ दिनों का निर्जल व्रत भी उनकी तपस्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सम्मान प्राप्त करने के पश्चात संत कालिदास जी महाराज ने मानव मिलन संस्था द्वारा देशभर में किए जा रहे सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मानव मिलन के माध्यम से समाज सेवा और मानव कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय हैं। उन्होंने नेपाल में आई जल प्रलय के दौरान मानव मिलन संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की भी भूरि-भूरि अनुमोदना की। उन्होंने कहा कि संत कालिदास जी ट्रस्ट भी इस पुण्य सेवा कार्य में सहयोगी बनेगा और मानव मिलन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा कार्य करेगा।

सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित जयमल जयंती समारोह में राष्ट्र संत मणिभद्र मुनि जी महाराज ने संत श्री जयमल जी के जीवन एवं उनके आदर्शों का वर्णन करते हुए कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। यदि हम प्रत्येक वर्ष अपने जीवन की एक बुराई का त्याग करने का संकल्प लें और उसे अपने आचरण में उतारें, तो हर वर्ष जन्म जयंती महोत्सव मनाना सार्थक होगा। मणिभद्र मुनि जी को चातुर्मास करने हेतु रायपुर ओर डोडी लोहारा के श्रमण संघ परिवार के सदस्यों ने अपनी विनती की जिसे गुरु महाराज ने इस विनती को अपनी झोली में रखा और आने वाले दिनों में चातुर्मास की घोषणा की जाएगी नेपाल में बनने वाले संत निवास में अंजय सुराणा परिवार का सहयोग रहेगा। सम्मेलन के अवसर पर आयोजित भव्य भक्ति संध्या में मुंबई के ख्यातिनाम भजन गायक मनोरंजन झा एवं भजन गायिका श्रीमती जमुना शर्मा ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं एवं दुर्ग शहरवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए।

सम्मेलन में शामिल अतिथियों के भोजन-प्रसादी की व्यवस्था उत्तम भंडारी परिवार द्वारा की गई। वहीं भक्ति संध्या आयोजन के लाभार्थी परिवार के रूप में धीसुलाल जी पारख परिवार एवं पदम पारख परिवार का सहयोग रहा।

रायपुर में विदेशी छात्रों की सुरक्षा को लेकर कलेक्टर-SP की VC के साथ अहम बैठक

रायपुर। नया रायपुर में देर रात आवारागर्दी, हंगामा और मारपीट की लगातार शिकायतों के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। कलेक्टर और एसपी ग्रामीण ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। सभी विदेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय/कॉलेज परिसर में ही सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जाए। विदेशी छात्रों की संपूर्ण जानकारी प्रशासन के साथ साझा की जाए। कानून-व्यवस्था और अपराधों की रोकथाम पर विशेष निगरानी रखी जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नया रायपुर में रात के समय होने वाली अव्यवस्था पर सख्त कार्रवाई होगी और विश्वविद्यालयों को भी अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी।

आनंद सरोवर दुर्ग में दिल्ली से पहुंचे 42 महाराज कुमार

रीटा दीदी ने कहा-त्याग, तपस्या और पवित्रता की झलक है इनके जीवन में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में ओम शांति रिट्रीट सेंटर, दिल्ली से 42 भाइयों का शुभागमन हुआ। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए इन भाइयों का ब्रह्माकुमारी बहनों एवं स्थानीय भाई-बहनों ने आत्मीयता और गर्मजोशी से स्वागत किया।

ओम शांति रिट्रीट सेंटर की विशेषता बताते हुए कहा गया कि यहां सेवा में समर्पित भाई-बहन ज्ञान, योग एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन में धारण कर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी गुलजार जी, ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी तथा ब्रह्माकुमारीज के पूर्व महासचिव ब्रह्माकुमार बृजमोहन भाई जी के विशेष मार्गदर्शन में इन सभी ने अपने जीवन को ज्ञान, योग एवं मूल्यों से विशेष बनाया है। आगंतुक भाइयों का पुष्प एवं पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं भाइयों ने ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी एवं रूपाली दीदी का शाल पहनाकर सम्मान किया।

स्वागत उद्बोधन में रीटा दीदी ने कहा, भारत की राजधानी से आए त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति महाराज कुमारों का भगवान के घर आनंद सरोवर में स्वागत एवं अभिनंदन है। एक परमात्मा के घर से दूसरे परमात्मा के घर आए इन होली हंसों के मस्तक एवं नयनों से सौम्यता, मधुरता और पवित्रता दिखाई दे रही है। दुर्गेश भाई, जो होम्योपैथी चिकित्सक हैं, ने मन और शरीर के स्वास्थ्य के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन को स्वस्थ एवं सकारात्मक रखने में मेडिटेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बी.के. राजकुमार ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज को भारत सरकार की ओर से विभिन्न वर्गों की सेवा के अवसर मिलते रहते हैं। इसी क्रम में एजिंग विद डिग्निटी अभियान के माध्यम से बुजुर्गों को सम्मानपूर्वक एवं गौरवपूर्ण जीवन जीने के लिए देशभर में सेवाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में दीपेश भाई ने मधुर गीत तथा मदन भाई ने कविता प्रस्तुत की। मंच संचालन खुशबू बहन ने किया। इस अवसर पर दुर्ग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भाई-बहन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल। डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8:30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौके बनाए।

वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियाड: 0.6 अंक से चूका गोल्ड! इलावेनिल वलारिवान ने जीता रजत

आइची नागोया, एजेंसी। इलावेनिल ने फाइनल में शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया और लंबे समय तक शीर्ष स्थान पर बनी रहीं। लेकिन आखिरी तीन शॉट में जापान की हिनाता ताइची ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। हिनाता ने 253.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि इलावेनिल 252.4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। दक्षिण कोरिया की हियोजिन बान ने 230.4 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इलावेनिल शुरुआत से ही गोल्ड की रेस में सबसे आगे चल रही थीं, लेकिन अंतिम चरण में हिनाता ने बाजी पलट दी। इस तरह इलावेनिल को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इलावेनिल का दूसरा पदक

यह आइची-नागोया एशियन गेम्स में इलावेनिल वलारिवान का दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में सोनम मस्कर और विदर्सा कोचलुमकल के साथ मिलकर रजत पदक जीता था। इस तरह इलावेनिल ने अपने एशियन गेम्स अभियान में अब तक दो रजत पदक जीत लिए हैं। इलावेनिल का रजत भारत का एशियन गेम्स 2026 में दूसरा पदक है। इससे पहले महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में इलावेनिल, सोनम और विदर्सा की तिकड़ी ने रजत पदक जीता था। यानी भारत के दोनों पदक अब तक शूटिंग से आए हैं और दोनों ही रजत हैं।

सोनम छठे स्थान पर रहीं

इसी स्पर्धा के फाइनल में पहुंची दूसरी भारतीय निशानेबाज सोनम मस्कर छठे स्थान पर रहीं। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 634.1 अंक हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। इलावेनिल के रजत पदक के साथ भारतीय शूटिंग टीम ने आइची-नागोया एशियन गेम्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इलावेनिल का सफर आसान नहीं रहा है। यहां तक पहुंचने की उनकी कहानी एक उधार की राइफल से शुरू हुई थी। इलावेनिल का जन्म दो अगस्त 1999 को तमिलनाडु के कुड्डालोर में हुआ। तीन साल की उम्र में उनका परिवार गुजरात के अहमदाबाद चला गया। पढ़ाई-लिखाई वाले परिवार में पली-बढ़ीं इलावेनिल के पिता वैज्ञानिक हैं और माता-पिता दोनों पीएचडी स्कॉलर हैं। बचपन में खेल उनके लिए सिर्फ मनोरंजन का जरिया थे। वह स्प्रिंटर और लंबी दूरी की धावक रहीं। जूडो और बैडमिंटन भी आजमाया। शूटिंग उनके जेहन में बिल्कुल नहीं थी।

करीब 12-13 साल की उम्र में एक दिन उन्होंने अपने पिता के एक छात्र की बेटी को एयर राइफल से अभ्यास करते देखा। जिज्ञासा में उन्होंने राइफल हाथ में ली। उनकी प्रतिभा नजर आई और इसके बाद उन्होंने स्थानीय पांच दिवसीय राइफल कैंप में हिस्सा लिया। यहीं से उनका शूटिंग का सफर शुरू हुआ।2014 में इलावेनिल के माता-पिता ने उनकी प्रतिभा और जुनून को देखते हुए उन्हें शूटिंग को गंभीरता से अपनाने का समर्थन दिया। 15 साल की उम्र में उन्होंने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी अकादमी ज्वाइन की। कोच नेहा चावन के मार्गदर्शन और गगन नारंग की देखरेख में उनकी ट्रेनिंग बेहद कठिन थी। कई बार वह दिन में 10 घंटे तक अभ्यास करती थीं।

सेमीफाइनल में शेफाली का तूफानी शतक

एशियन गेम्स 2026: लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी; नौ छक्के जड़कर रचा नया कीर्तिमान

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट सेमीफाइनल में शेफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ तूफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया। निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में भारतीय पारी की आखिरी गेंद पर शेफाली ने 49 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। वह 49 गेंदों पर नौ छक्कों और तीन चौकों की मदद से 100 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस शतक के साथ शेफाली एशियन गेम्स के क्रिकेट इतिहास में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। उनके शतक की मदद से भारत ने 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए और बांग्लादेश के सामने 196 रन का लक्ष्य रखा।

आखिरी गेंद पर पूरा किया शतक

शेफाली ने पारी के आखिरी गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक है। इसके साथ उन्होंने स्मृति मंधाना के भारतीय महिला क्रिकेट में सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। अब शेफाली ने भी 49 गेंदों में शतक लगाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। शेफाली ने पारी की शुरुआत स्मृति मंधाना के साथ की थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए छह ओवर में 72 रन जोड़े। मंधाना 19 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद जी कमलीनी तीन रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन

शेफाली ने इस शतक के साथ 2026 में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने रनों की संख्या 815 तक पहुंचा दी। वह इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ट 824 रन के साथ शीर्ष पर हैं।शेफाली ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी शतकीय पारी में नौ छक्के लगाए। इसके साथ ही वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

एक पारी में नौ छक्के, रिकॉर्ड की बराबरी

बांग्लादेश के खिलाफ नौ छक्के लगाकर शेफाली ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। वह इस सूची में वेस्टइंडीज की डीएंड्रा डॉटिन और हेली मैथ्यूज के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।शेफाली वर्मा ने इस मैच में शतक जड़ा और उन्होंने स्मृति मंधाना के 2024 के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर का रिकॉर्ड आठ का है। मंधाना ने 2024 में आठ बार 50+ स्कोर किया था, जबकि शेफाली ने 2026 में आठ बार यह कारनामा किया है।

मंधाना के रिकॉर्ड की बराबरी पर

शेफाली के 49 गेंदों में शतक ने उन्हें स्मृति मंधाना के साथ एक खास रिकॉर्ड में खड़ा कर दिया है। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। अब शेफाली भी 49 गेंदों में शतक लगाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज हैं। शेफाली के शतक की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने इसे भारतीय पारी की आखिरी गेंद पर पूरा किया। उनके नाबाद 100 रन ने भारत को 195 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया और एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में बांग्लादेश के सामने 196 रन का लक्ष्य रखा।

भारत ने दर्ज की तीसरी सबसे बड़ी जीत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 114 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने अपना कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। इस मुकाबले में शेफाली वर्मा के बल्ले का ऐसा तूफान आया कि बांग्लादेश की पूरी टीम भी उनके व्यक्तिगत स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। शेफाली ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई। यानी शेफाली ने अकेले बांग्लादेश के सभी 11 बल्लेबाजों से मिलकर बनाए कुल स्कोर से भी 19 रन ज्यादा बनाए। भारत की 114 रन की जीत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उसकी सबसे बड़ी जीतों में तीसरे स्थान पर है। भारत ने इससे पहले 2018 में मलयेशिया को 142 रन और 2026 एशिया कप में हॉन्गकॉन्ग को 137 रन से हराया था।भारतीय गेंदबाजों ने 196 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेशी टीम पर शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। विकेट लगातार गिरते रहे और रन गति भी नहीं बढ़ सकी। नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा भारत की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। दोनों ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। श्री चरणी को दो विकेट मिले, जबकि क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने एक-एक बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। भारत की गेंदबाजी की खास बात यह रही कि गेंदबाजी करने वाली हर खिलाड़ी को कम से कम एक विकेट मिला। बांग्लादेश की टीम न तो बड़ी साझेदारी बना सकी और न ही तेजी से रन जुटा सकी। अंत में 15.4 ओवर में बांग्लादेश का स्कोर 81 रन ही रहा और भारत ने 114 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इतिहास में भी अपना नाम दर्ज

शेफाली ने इस मुकाबले में सिर्फ भारत को फाइनल तक नहीं पहुंचाया, बल्कि एशियन गेम्स के क्रिकेट इतिहास में भी अपना नाम दर्ज करा लिया। उनका 100 रन का स्कोर एशियन गेम्स में महिला क्रिकेट में पहला शतक है। उनका शतक 49 गेंदों में आया। इसके साथ उन्होंने स्मृति मंधाना के सबसे तेज भारतीय महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। शेफाली की पारी में नौ छक्के और तीन चौके शामिल रहे। यानी उन्होंने सिर्फ बाउंड्री से ही 66 रन जुटाए।

- जीत के साथ भारत ने अपना कम से कम रजत पदक पक्का किया

एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी

बांग्लादेश के खिलाफ नौ छक्के लगाने के साथ शेफाली ने 2026 में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने छक्कों की संख्या 35 कर ली। वह अब एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली महिला बल्लेबाज हैं।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखिस्तान को हराया

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधु ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधु का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है।सिंधु ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

संपादकीय

अंधभक्त होना चाहिए पर दूसरी पार्टी का नहीं होना चाहिए

देश में बहुत सारे राजनीतिक दल हैं। सभी राजनीतिक दल चाहते हैं अंधभक्त होना चाहिए तो उनकी पार्टी का अंधभक्त होना चाहिए।कोई यह नहीं चाहता है कि लोग अंधभक्त हों और दूसरी राजनीतिक पार्टियों के हों। क्योंकि सभी राजनीतिक दल जानते हैं कि अंधभक्त होना उनके लिए फायदे की बात होती है,अंधभक्त दूसरे किसी राजनीतिक दल को वोट हीं देता है,वह जिस राजनीतिक दल का अंधभक्त होता है,उसे ही चुनाव में वोट करता है, राजनीतिक दल को उसके वोट के लिए कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ता है।कोई पैसा नहीं देना पड़ता है।अंधभक्त अप? राजनीतिक दल को हो कोई डर नहीं होता है कि वह उससे नाराज हो सकता है, वह किसी दूसरे राजनीतिक दल को वोट दे सकता है। अंधभक्त तो सभी राजनीतिक दलों के कम या ज्यादा होते हैं,जिन राजनीतिक दलों के कम होते हैं,वह चाहते हैं कि और ज्यादा होना चाहिए ताकि उनको पता रहे कि चुनाव में इतने वोट तो उनको पक्का मिलने वाले हैं। ताकि उनको पता रहे कि चुनाव जीतने के लिए उनको और कितने वोट की जरूरत है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी मप्र के इंदौर में आयोजित छात्रों के गूंज कार्यक्रम में यह कहते हैं कि सिस्टम का पूरी देश की व्यवस्था पर कब्जा हो गया है।मोदी और आरएसएस के इस सिस्टम को छात्र स्वीकार्य नहीं हैं,क्योंकि वह सवाल करते हैं। मौजूदा सिस्टम पूरे देश में अंधभक्त चाहता है। छात्र जहां ईमानदार होते है,निडर होते हैं,वहीं अंधभक्त बेईमान व झूठे होते हैं।इससे यह साफ हो जाता है कि राहुल गांधी की नजर में वह युवा या व्यक्ति अंधभक्त नहीं है जो सरकार से सवाल पूछता है। यानी जो सवाल पूछता है,वह अंधभक्त नहीं है। जो सवाल नहीं पूछता है वह अंधभक्त है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी में उन लोगों को पसंद करते हैं या करेंगे जो गांधी परिवार या उनसे कोई सवाल पूछते हैं।

आज तक तो गांधी परिवार या राहुल गांधी से जिसने भी सवाल किया है,उसे तो कांग्रेस से बाहर कर दिया गया है। गांधी परिवार व राहुल गांधी अपनी पार्टी में ऐसे लोगों को ही पसंद करते हैं,जो उनसे कोई सवाल करे कि आपने ऐसा किया है तो क्यों किया है। राहुल गांधी ही नहीं सभी राजनीतिक दल अपनी पार्टी में ऐसे लोगों को पसंद करते हैं जो उनसे पार्टी से संबंधित कोई सवाल न करे, पार्टी कुछ करने को कहे तो वह मान लें कि पार्टी जो कह रही है या कर रही है वही सही है। कोई भी राजनीतिक पार्टी जब व्हिप जारी करती है तो उसका मतलब क्या होता है,उसका मतलब तो यह भी होता है कि अंधभक्त बन जाओ,मत पूछो पार्टी ऐसा करने को क्यों कह रही है। देश में सबसे ज्यादा परिवारवादी पार्टियां हैं,वह तो चाहती है कि पार्टी में अंधभक्त रहें, पार्टी कुछ भी करे या कहे तो बिना सवाल उठाए करने को राजी रहे। पार्टी जो कहे या करे उसे ही सबसे अच्छा माने।

राहुल गांधी देश के कई शहरों में गूंज कार्यक्रम का आयोजन कर कांग्रेस से जेनजी को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं,देश और भाजपा को बताने या जताने का प्रयास कर रहे हैं कि देखो अंधभक्त तुम्हारे साथ हैं तो जेनजी कांग्रेस के साथ हैं। बताया जाता है कि 19 सिंतबर को राहुल गांधी के गूंज कार्यक्रम का आयोजन इंदौर मे इसलिए किए गया था कि 19 सिंतबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ का चुनाव था और राहुल गांधी को बताया गया था कि एनएसयूआई यहां चुनाव जीत रही है। यानी दिल्ली में 19 सिंतबर को एनएसयूआई चुनाव जीतता और इंदौर में राहुल गांधी इस बात की गर्व से घोषणा करते कि देखो जेनजी भाजपा के साथ नही है, जेनजी तो कांग्रेस के साथ है। जेनजी जिस तरह डेसू में चुनाव जिताया है, उसी तरह अब उसे जेनजी हर चुनाव में जिताएगा। लेकिन दिल्ली विवि का चुनाव मे एनएसयूआई के हार जाने के कारण इंदौर में राहुल गांधी दावा नहीं कर सके कि जेनजी उनके साथ है।

इससे तो साफ हो गया कि राहुल गांधी पूरे देश में जेनजी को कांग्रेस से जोड़ने और मोदी सरकार से नाराज होने का जो नरेटिव बनाने का प्रयास कर रहे थे,उसको बड़ा झटका लगा है कि राहुल गांधी का अब तक कई शहरों में किया गया गूंज कार्यक्रम का जेनजी पर कोई असर नहीं हुआ है। जेन जी न पहले कांग्रेस के साथ था और न जेनजी आज कांग्रेस के साथ है। मजे की बात तो यह है कि डेसू के चुनाव में एक पदाधिकारी निर्दलीय लड़ा है और बड़े अंतर से जीता है तो वह कांग्रेस का प्रत्याशी था जिसका नाम काट दिए जाने पर वह निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत भी गया। कांग्रेस ने उसका टिकट नहीं काटा होता वह आज कांग्रेस की विजयी प्रत्याशी होता और कांग्रेस कह सकती थी कि उसके साथ जेनजी है। कांग्रेस की गलती के कारण ही कांग्रेस आज यह दावे से नहीं कह सकती कि जेनजी उसके साथ है।

ईन्डिया गठबंधन में आंतरिक रार

राष्ट्रीय महात्वाकांक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता का तीखा टकराव

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति के समकालीन परिदृश्य में विपक्षी एकजुटता का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा ईन्डिया गठबंधन इस समय अपने अस्तित्व के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के विजय रथ को रोकने के साझा संकल्प के साथ शुरू हुआ यह गठबंधन अब विभिन्न राज्यों में आंतरिक कलह, आपसी अविश्वास और नेतृत्व के टकराव की गंभीर बीमारी से ग्रसित दिखाई दे रहा है। पश्चिम बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर और पंजाब से लेकर दक्षिण के तमिलनाडु तक, कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के बीच मची रार केवल सीटों के गणित तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैचारिक वर्चस्व, क्षेत्रीय अस्मिता और दूरगामी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का एक जटिल अंतर्विरोध बन चुकी है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि राष्ट्रीय मंचों पर हाथ मिलाने और एक फ्रेम में मुस्कुराती तस्वीरें खिंचवाने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती, जहाँ हर दल अपनी राजनीतिक जमीन को बचाने और बढ़ाने के लिए एक-दूसरे के खून का प्यासा नजर आता है।

गठबंधन के इस आंतरिक बिखराव का सबसे मुकम्मल और पुराना उदाहरण पश्चिम बंगाल में देखने को मिलता है। यहाँ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस , कांग्रेस और वामपंथी दलों के बीच का त्रिकोणीय द्वंद्व किसी भी राजनीतिक विश्लेषक के लिए एक पहेली की तरह रहा है। राष्ट्रीय बैठकों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस नेतृत्व के बीच सौहार्द के दावे चाहे जो भी किए जाएं, बंगाल की धरती पर कदम रखते ही यह सौहार्द एक कड़वे संघर्ष में तब्दील हो जाता है। कांग्रेस ने राज्य में तृणमूल कांग्रेस और वामदलों के साथ अपने पुराने गठबंधन को पूरी तरह से तिलांजलि दे दी है और आगामी उपचुनावों सहित भविष्य की चुनावी राजनीति में अकेले उतरने का आत्मघाती या साहसिक फैसला किया है।

इस रार की जड़ें बहुत गहरी हैं। ममता बनर्जी का राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के विरोध की कोख से हुआ था, और वे भली-भांति जानती हैं कि राज्य में कांग्रेस या वामदलों को थोड़ी भी राजनीतिक आक्सीजन देना उनके अपने अभेद्य किले में सेंध लगाने जैसा होगा। दूसरी ओर, बंगाल कांग्रेस की प्रादेशिक इकाई यह मानती रही है कि टीएमसी के सामने घुटने टेकने से राज्य में कांग्रेस का काडर पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। यही कारण है कि केंद्रीय नेतृत्व की मजबूरियों को दरकिनार कर राज्य स्तर पर दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ न केवल उम्मीदवार उतार रहे हैं, बल्कि तीखे राजनीतिक हमले भी कर रहे हैं। जब गठबंधन के दो प्रमुख घटक एक-दूसरे को ही मुख्य प्रतिद्वंद्वी मानकर लड़ रहे हों, तो उसे राष्ट्रीय स्तर पर एक एकजुट विकल्प मानना जनता के साथ एक बड़ा छलावा प्रतीत होता है।

इसी तरह की एक नई और वैचारिक रार उत्तर भारत के मुहाने पर स्थित जम्मू-कश्मीर में देखने को मिल रही है। यहाँ विधानसभा चुनावों के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने मिलकर सरकार तो बना ली, लेकिन यह सत्ता की साझेदारी एक सहज गठबंधन की तरह काम नहीं कर पा रही है। हाल ही में एक सार्वजनिक और आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम बजाने पर कांग्रेस नेताओं द्वारा जताई गई आपत्ति ने दोनों दलों के बीच के वैचारिक फासले को चौड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के शीर्ष नेतृत्व ने इस पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए स्पष्ट रूप से संदेश दिया कि कांग्रेस को अपने सहयोगियों पर अपनी नीतियां और शर्तें थोपने का कोई अधिकार नहीं है।

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में नेशनल कॉन्फ्रेंस खुद को कश्मीर घाटी की पहचान और स्वायत्तता के सबसे बड़े पैरोकार के रूप में देखती है, जबकि कांग्रेस को जम्मू क्षेत्र में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए राष्ट्रवाद के मोर्चे पर रक्षात्मक रुख छोड़ना पड़ता है। सत्ता में होने के बावजूद दोनों दलों के बीच यह वैचारिक खींचतान यह बताती है कि एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम के अभाव में केवल सत्ता का लालच किसी गठबंधन को वैचारिक मजबूती नहीं दे सकता। यह रार आने वाले दिनों में प्रशासनिक फैसलों और नीतियों के क्रियान्वयन में और अधिक कड़वाहट पैदा कर सकती है।

यदि हम पंजाब की ओर रुख करें, तो यहाँ की कहानी ईन्डिया गठबंधन के विरोधाभासों का सबसे अनोखा अध्याय है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही राष्ट्रीय स्तर पर इस गठबंधन के स्तंभ हैं, लेकिन पंजाब में वे एक-दूसरे के धुर विरोधी हैं। पिछले लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक दोनों दलों ने राज्य में अलग-अलग चुनाव लड़कर यह साबित किया है कि वे एक म्यान में दो तलवारें नहीं रख सकते। पंजाब कांग्रेस के नेताओं का स्पष्ट मानना है कि राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ आक्रामक विपक्ष की भूमिका निभाए बिना वे अपनी प्रादेशिक प्रासंगिकता को बहाल नहीं कर सकते

इस बाहरी रार के साथ-साथ पंजाब कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी ने संकट को और गहरा कर दिया है। पार्टी के भीतर नेताओं की आपसी सिरफुटव्वल और वर्चस्व की लड़ाई इतनी बढ़ गई है कि केंद्रीय आलाकमान को स्थिति को संभालने के लिए अचानक राज्य प्रभारियों और संगठनात्मक ढांचे में फेरबदल करना पड़ा है। जब एक प्रमुख राष्ट्रीय दल अपने ही घर को व्यवस्थित नहीं रख पा रहा हो और अपने सबसे बड़े राष्ट्रीय सहयोगी के खिलाफ राज्य में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा हो, तो गठबंधन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। पंजाब की यह रार साबित करती है कि क्षेत्रीय स्तर पर राजनीतिक शून्यता को भरने की होड़ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर भारी पड़ रही है।

गठबंधन के भीतर यह दरार केवल उत्तर और पूर्व तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दक्षिण भारत में भी इसके भूकंपीय झटके महसूस किए जा रहे हैं। तमिलनाडु का हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है। वर्षों पुराने और बेहद सफल माने जाने वाले द्रमुक -कांग्रेस गठबंधन का टूटना इस बात का प्रमाण है कि क्षेत्रीय दल अब कांग्रेस को एक बड़े भाई के रूप में स्वीकार करने के मूड में नहीं हैं। द्रमुक -कांग्रेस ने कांग्रेस पर गठबंधन धर्म न निभाने और राष्ट्रीय राजनीति की आड़ में क्षेत्रीय हितों को नुकसान पहुँचाने का सीधा आरोप लगाया है।

इस बिखराव के बीच कांग्रेस ने राज्य की राजनीति में एक नए खिलाड़ी, सुपरस्टार थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्टी कड़गम का हाथ थामने का प्रयास किया है, लेकिन यहाँ भी विवाद ने पैर पसार लिए हैं। यह विवाद किसी नीतिगत मुद्दे पर नहीं, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के चेहरे को लेकर शुरू हुआ है। ळश्ङ के उत्साही कार्यकर्ता और नेता जहाँ अपने सुप्रीमो विजय को देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में पेश करने की महात्वाकांक्षा पाले हुए हैं, वहीं कांग्रेस के लिए राहुल गांधी के अलावा किसी अन्य नाम पर विचार करना भी पाप के समान है। कांग्रेस के प्रादेशिक नेताओं ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि देश के प्रधानमंत्री पद का चेहरा केवल राहुल गांधी ही होंगे। यह टकराव दिखाता है कि ईन्डिया गठबंधन के भीतर भविष्य की सत्ता को लेकर किस कदर अपरिपक्वता और महत्वाकांक्षाओं का टकराव हावी है।

इन प्रमुख राज्यों के अलावा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे और नेतृत्व को लेकर चल रही रार, तथा बिहार और झारखंड में क्रमशः आरजेडी और झामुमो के साथ कांग्रेस के असहज संबंध यह रेखांकित करते हैं कि गठबंधन का संकट सार्वभौमिक है। क्षेत्रीय दलों की नजर में कांग्रेस अब वह राष्ट्रीय वटवृक्ष नहीं रही, जिसके साए में वे अपनी राजनीति चमका सकें। क्षेत्रीय दल अब कांग्रेस को एक ऐसे ह्यकमजोर साझीदारह्न के रूप में देखते हैं जो सीटें तो ज्यादा मांगता है, लेकिन उन्हें अपने दम पर जिताने की क्षमता खो चुका है। वहीं, कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इस मनोवैज्ञानिक दबाव से उबर नहीं पा रहा है कि वह देश की सबसे पुरानी और एकमात्र अखिल भारतीय विपक्षी पार्टी है, इसलिए नेतृत्व का अधिकार स्वतः उसके पास होना चाहिए।

इस पूरे परिदृश्य का लब्बोलुआब यह है कि ईन्डिया गठबंधन एक ऐसी नाव की तरह नजर आ रहा है जिसके मल्लाह अलग-अलग दिशाओं में चप्पू चला रहे हैं। जब तक गठबंधन के तमाम घटक दल अपनी व्यक्तिगत और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को तिलांजलि देकर एक साझा, पारदर्शी और ठोस राष्ट्रीय एजेंडा तैयार नहीं करते, तब तक ईन्डिया गठबंधन केवल एक चुनावी अवसरवाद का ढांचा बनकर रह जाएगा। यदि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने राज्यों में चल रही इस रार को समय रहते संवाद और आपसी समन्वय से नहीं सुलझाया, तो वे सत्ताधारी दल को एक मजबूत विकल्प देने के ऐतिहासिक अवसर को गंवा देंगे। राजनीति केवल गणित नहीं, बल्कि रसायन शास्त्र भी है; जब तक विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं के दिलों का रसायन नहीं मिलेगा, तब तक केवल नेताओं के हाथ मिलाने से मतपेटियों में चमत्कार की उम्मीद करना बेमानी होगा।

दर्द देता इलाज

किसी अस्पताल में उपचाराधीन कोई मरीज जब किसी रोग से लड़ रहा होता है तो वह इस स्थिति में नहीं होता कि उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों व दवा आदि के तार्किक मूल्यों की पड़ताल कर सके। वह यह पूछने की स्थिति में भी नहीं होता कि किसी दवा, सिरिंज या कैथेटर आदि की कीमत जायज है या नाजायज। वैसे भी अस्पताल संचालकों द्वारा संचालित किए जा रहे मेडिकल स्टोरों में वह कीमत को लेकर अपना पक्ष रखने की हालत में नहीं होता। यह विडंबना ही है कि दवा कंपनियां बिचौलियों व मेडिकल स्टोर के मालिकों को लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत कीमत व कथित एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते दवा विक्रेता मरीजों के तीमारदारों से मनमानी कीमतें वसूल कर मुनाफा कूटते हैं।

जिसकी पुष्टि महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा अस्पतालों में उपयोग किए जाने वाले सामान की कीमतों की राज्यव्यापी पड़ताल के निष्कर्ष करते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन महाराष्ट्र के तेजतर्रार कमिश्नर तुकाराम मुंढे की पहल पर किए गये राज्यव्यापी सर्वेक्षण में पाया गया कि एक अस्पताल द्वारा खरीदे गए एक आईवी एन्फ्यूजन सेट की कीमत मात्र 11 रुपये थी और उस पर एमआरपी 325 दर्ज थी, जो वास्तविक कीमत से हजारों फीसदी अधिक थी। एक सिरिंज जिसकी खरीद कीमत 6.7 रुपये थी, उसकी एमआरपी 57 रुपये थी।

जबकि 29 रुपये में खरीदा गया कैथेटर 310 रुपये एमआरपी वाला था। निस्संदेह, सप्लाई चेन में भी कुछ खर्च होते हैं, लेकिन अस्पताल व उनके मेडिकल स्टोर इन दवाइयों पर अंधा मुनाफा कमा रहे हैं। यह दुखद ही है कि जहां पहले ही मरीज रोग से पीड़ित होता है, वहां दवाइयों की कीमतों को लेकर पारदर्शिता का अभाव उसके दर्द को बढ़ाने वाला ही होता है। यह उम्मीद जगाने वाली पहल है कि कमिश्नर मुंढे ने एफडीए की पड़ताल के निष्कर्ष और सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है कि मेडिकल उपकरणों की कीमतों की पड़ताल और मुनाफे की सीमा निर्धारण पर गंभीरता से विचार किया जाए। साथ ही इस बाबत सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।

इस तरह अब यह महत्वपूर्ण मामला राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं के पास है, जिसमें एनपीपीए और फॉर्मास्यूटिकल विभाग आदि शामिल हैं। यह सुखद है कि मामला एक ईमानदार अधिकारी की सख्त पहल के बाद उजागर हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मरीजों को उलटे उस्तरे से मूंडने का यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी है। जिन सरकारों व संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी की थी, वे निहित स्वार्थों के चलते मूकदर्शक बने रहे हैं। महाराष्ट्र में एफडीए के कमिश्नर का पदभार संभालने के बाद मुंढे ने पूरे राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट व सेहत के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक जोरदार अभियान चला रखा है। इतना ही नहीं, इस सार्थक पहल के बाद एफडीए ने बड़ी मात्रा में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली असुरक्षित खाद्य सामग्री भी जब्त की है।

साथ ही खाद्य सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वाले कई नामी प्रतिष्ठानों व तथाकथित दिग्गजों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। विडंबना यह है कि खाद्य पदार्थों और चिकित्सा उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कीमत व गुणवत्ता की जांच-पड़ताल और इनसे खुद को सुरक्षित रखने की सटीक जानकारी उपभोक्ता के पास नहीं होती है। फिर स्थानीय प्रशासन के लोग सिर्फ खाना-पूर्ति के लिए कभी-कभार छापेमारी करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। यह शासन-प्रशासन का सामान्य दायित्व है कि अस्पताल में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमतें न्यायसंगत व पारदर्शी हों।

निस्संदेह उपभोक्ता को वस्तुओं की वास्तविक कीमत की जानकारी दी जानी चाहिए। जहां जरूरी हो, वहां उचित मार्जिन ही लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, केंद्र सरकार को मुंढे की रिपोर्ट पर समय रहते उचित कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम में आने वाले सामान की स्पष्ट बिलिंग हो। ताकि नाजायज ढंग से मुनाफा कमाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऐसा करना केंद्र व राज्य सरकारों का नैतिक दायित्व भी है।

भारतीय व्यापारियों पर 100 प्रतिशत टैरिफ का बढ़ा खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दुनिया में टैरिफ केवल आयात-निर्यात पर लगाया जाने वाला कर नहीं होता, बल्कि कई बार यह आर्थिक और कूटनीतिक दबाव का हथियार भी बन जाता है। भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ समय से चल रहे व्यापारिक घटनाक्रम ने भारतीय व्यापारियों, निर्यातकों और विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम उद्यमों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कभी 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ, फिर कुल अतिरिक्त बोझ के 50 प्रतिशत तक पहुंचने और अब रूस से तेल खरीद को लेकर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की संभावित अमेरिकी कार्रवाई ने भारतीय कारोबारी जगत की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि वर्तमान स्थिति को समझने में यह अंतर बेहद महत्वपूर्ण है कि 100 प्रतिशत टैरिफ फिलहाल लागू नहीं हुआ है। अमेरिकी कांग्रेस में रूस से ऊर्जा खरीद से जुड़े प्रतिबंधों के तहत ऐसा अधिकार देने वाला विधायी प्रस्ताव आगे बढ़ा है। यदि यह कानून बनता है और राष्ट्रपति इसका इस्तेमाल करते हैं, तभी इसका वास्तविक प्रभाव सामने आएगा। फिर भी इस खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यापार में अनिश्चितता स्वयं एक बड़ी लागत होती है। किसी व्यापारी को यह पता न हो कि अगले महीने उसके माल पर कितना शुल्क लगेगा, तो वह कीमत, उत्पादन, स्टॉक, निवेश और विदेशी खरीदारों के साथ अनुबंध—हर स्तर पर सावधानी बरतने को मजबूर हो जाता है।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में टैरिफ का मुद्दा नया नहीं है। वर्ष 2025 में अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने के बाद भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ी थी। इसके बाद रूस से भारतीय तेल खरीद से जुड़ा 25 प्रतिशत अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी लगाया गया, जिसके कारण कई भारतीय उत्पादों पर कुल अतिरिक्त टैरिफ का बोझ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया था। उस समय कपड़ा, परिधान, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद तथा कई श्रम-प्रधान उद्योगों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव बढ़ने की आशंका जताई गई थी। अमेरिका भारतीय उत्पादों का एक महत्वपूर्ण बाजार है। इसलिए वहां शुल्क बढ़ने का अर्थ केवल अमेरिकी बाजार में महंगाई बढ़ना नहीं है, बल्कि भारतीय निर्यातक के सामने यह सवाल भी खड़ा होता है कि क्या उसका उत्पाद वियतनाम, बांग्लादेश, चीन, इंडोनेशिया या अन्य देशों के उत्पादों की तुलना में प्रतिस्पर्धी रह पाएगा। भारत सरकार के अनुसार 2025 में प्रस्तावित 25 प्रतिशत अमेरिकी पारस्परिक शुल्क से भारत के लगभग 55 प्रतिशत माल निर्यात प्रभावित होने का अनुमान था।

यह आंकड़ा बताता है कि समस्या केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं है। भारत के लाखों छोटे और मध्यम कारोबारी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े हैं। एक बड़ी निर्यात कंपनी पर पड़ने वाला दबाव अंततः उसके छोटे सप्लायर, पैकेजिंग इकाई, परिवहन व्यवसाय, श्रमिक और स्थानीय बाजार तक पहुंच सकता है। अब परिस्थितियां एक नए मोड़ पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त दबाव डालने के उद्देश्य से प्रस्तावित कानून में 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की संभावना सामने आई है। भारत का नाम भी इस संदर्भ में चर्चा में आया है। अमेरिकी विधायी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए इसे लागू शुल्क मानना उचित नहीं होगा। लेकिन व्यापारियों के लिए केवल संभावित शुल्क भी गंभीर चिंता पैदा करता है।

यदि किसी भारतीय वस्तु पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगता है, तो अमेरिकी बाजार में उसकी कीमत बहुत बढ़ सकती है। उदाहरण के लिए यदि कोई भारतीय उत्पाद अमेरिकी आयातक को 100 डॉलर में मिलता है और उस पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू होता है, तो केवल उस अतिरिक्त शुल्क के कारण लागत 200 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती है—हालांकि वास्तविक अंतिम कीमत उत्पाद-विशिष्ट मौजूदा शुल्क, शुल्क की संरचना, कर और आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भर करेगी।

ऐसी स्थिति में अमेरिकी खरीदार वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर सकते हैं। इसका सीधा असर भारतीय निर्यात ऑर्डरों पर पड़ सकता है।

टैरिफ युद्ध की सबसे बड़ी मार अक्सर उस छोटे व्यापारी पर पड़ती है जिसके पास बड़े उद्योगों जैसी वित्तीय क्षमता नहीं होती।बड़ी कंपनियां बाजार बदल सकती हैं, उत्पादन दूसरी जगह स्थानांतरित कर सकती हैं और कुछ समय तक नुकसान सह सकती हैं। लेकिन छोटे निर्यातक के लिए एक बड़ा ऑर्डर रद्द होना, भुगतान में देरी होना या विदेशी खरीदार का दूसरे देश की ओर चले जाना गंभीर संकट पैदा कर सकता है।भारत का निर्यात क्षेत्र बड़ी संख्या में रूस्र्र्श्व इकाइयों पर निर्भर है। कपड़ा, हस्तशिल्प, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान, मशीनरी के पुर्जे, कृषि उत्पाद, समुद्री उत्पाद और विभिन्न प्रकार के तैयार माल में छोटी इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है।इसलिए टैरिफ का सवाल केवल अमेरिका को कितना निर्यात होगा का सवाल नहीं है। यह रोजगार, उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कारीगरों और छोटे उद्योगों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है।

इस संकट का एक महत्वपूर्ण सबक यह है कि किसी एक बड़े बाजार पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम पैदा करती है। अमेरिका भारतीय निर्यात के लिए महत्वपूर्ण बाजार है, लेकिन भारत को यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका और अन्य उभरते बाजारों में अपनी मौजूदगी और मजबूत करनी होगी।भारतीय निर्यातकों ने पहले से ही कुछ हद तक बाजारों में विविधता लाने की कोशिश की है। हाल के महीनों में भारत के निर्यात में कुछ अन्य बाजारों की ओर भी मजबूती दिखाई दी है। अगस्त 2026 में भारत का माल निर्यात 43.81 अरब डॉलर रहा और अमेरिका को निर्यात भी बढ़ा, हालांकि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्रों में कमजोरी बनी रही। इससे स्पष्ट है कि भारतीय उद्योग के सामने चुनौती है, लेकिन अवसर भी मौजूद हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता इस समय सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक-आर्थिक मुद्दों में से एक है। सरकार को बातचीत के रास्ते को प्राथमिकता देते हुए भारतीय उद्योग के हितों की रक्षा करनी होगी।साथ ही केवल किसी एक देश के साथ समझौते पर निर्भर रहने के बजाय निर्यात प्रतिस्पर्धा की बुनियादी समस्याओं पर काम करना होगा। लॉजिस्टिक्स की लागत, बंदरगाहों की दक्षता, बिजली की कीमत, वित्त की उपलब्धता, गुणवत्ता मानक, अनुसंधान एवं विकास और उत्पादन की गति—इन सभी क्षेत्रों में सुधार भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में मजबूत बना सकता है।

निर्यातकों के लिए सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहन और कर-शुल्क वापसी की व्यवस्थाएं भी महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में सरकार द्वारा क्रशष्ठञ्जश्वक्क जैसी निर्यात प्रोत्साहन व्यवस्था को आगे जारी रखने की संभावना पर भी चर्चा हुई है। लेकिन दीर्घकालिक समाधान केवल प्रोत्साहन देना नहीं है। भारतीय उद्योग को ऐसी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करनी होगी कि वह टैरिफ के दबाव के बावजूद वैश्विक खरीदारों के लिए आकर्षक बना रहे।आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार और विदेश नीति एक-दूसरे से अलग नहीं रह गए हैं। रूस से तेल खरीद का प्रश्न इसका स्पष्ट उदाहरण है। भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा एक महत्वपूर्ण आर्थिक आवश्यकता है, जबकि अमेरिका रूस की ऊर्जा आय से जुड़ी अपनी रणनीतिक चिंताओं को आगे बढ़ा रहा है।भारत को एक ओर अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं और रणनीतिक स्वायत्तता का ध्यान रखना है, तो दूसरी ओर अमेरिका जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार के साथ आर्थिक संबंधों को भी स्थिर रखना है। ऐसे में कूटनीति का महत्व और बढ़ जाता है।सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन व्यापार जगत को भी अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। निर्यातकों को केवल कीमत के आधार पर प्रतिस्पर्धा करने के बजाय गुणवत्ता, डिजाइन, तकनीक, विश्वसनीय आपूर्ति और ब्रांडिंग पर अधिक जोर देना होगा।जिस भारतीय कंपनी के पास बेहतर गुणवत्ता और मजबूत ब्रांड होगा, उसके लिए किसी भी एक बाजार में शुल्क बढ ? के बाद नए बाजार तलाशना अपेक्षाकृत आसान होगा।व्यापारियों को विदेशी मुद्रा जोखिम, बीमा, भुगतान सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला में भी सावधानी बढ़ानी होगी। लंबी अवधि के अनुबंधों में टैरिफ परिवर्तन की स्थिति में लागत साझा करने जैसी शर्तों पर भी विचार किया जा सकता है।100 प्रतिशत टैरिफ की संभावित चर्चा भारतीय व्यापार जगत के लिए केवल तत्काल आर्थिक खतरे का संकेत नहीं है, बल्कि यह वैश्विक व्यापार व्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता का संकेत भी है।यदि व्यापारिक शुल्क बार-बार बदलते हैं और राजनीतिक या रणनीतिक मुद्दों से जुड़े रहते हैं, तो दुनिया के व्यापारियों के लिए दीर्घकालिक निवेश निर्णय कठिन हो जाते हैं। इससे अंततः वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भी प्रभावित होती हैं।भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए यह आवश्यक है कि वह ऐसी परिस्थितियों में अपने निर्यात आधार को व्यापक बनाए और घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करे।

आज आवश्यकता किसी भावनात्मक प्रतिक्रिया की नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक रणनीति की है। भारत को अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, लेकिन साथ ही वैकल्पिक बाजारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना चाहिए।सरकार को प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करके लक्षित सहायता देनी होगी। रूस्र्र्श्व निर्यातकों के लिए सस्ता वित्त, बाजार सूचना, तकनीकी उन्नयन और नए बाजारों तक पहुंच की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।व्यापारिक संगठनों को भी सरकार के साथ मिलकर क्षेत्रवार रणनीति बनानी होगी। हर क्षेत्र पर टैरिफ का प्रभाव समान नहीं होता। इसलिए कपड़ा, इंजीनियरिंग, कृषि, फार्मा, रत्न-आभूषण और अन्य क्षेत्रों के लिए अलग-अलग रणनीति आवश्यक होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत को वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति केवल कम लागत वाले उत्पादक के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय, गुणवत्तापूर्ण और दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता के रूप में मजबूत करनी होगी।

25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत और अब 100 प्रतिशत तक टैरिफ की संभावित चर्चा ने भारतीय व्यापारियों के सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा कर दिया है—क्या हमारा निर्यात ढांचा बदलती वैश्विक व्यापार राजनीति के लिए पर्याप्त रूप से तैयार है ?इसका उत्तर केवल अमेरिका के अगले निर्णय में नहीं छिपा है। इसका उत्तर भारत की अपनी आर्थिक तैयारी में है।100 प्रतिशत टैरिफ अभी वास्तविकता नहीं है, लेकिन 100 प्रतिशत के खतरे ने यह जरूर दिखा दिया है कि वैश्विक व्यापार अब केवल मांग और आपूर्ति का खेल नहीं रह गया है। इसमें कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा, राष्ट्रीय हित और भू-राजनीति की भूमिका लगातार बढ़ रही है।ऐसे समय में भारतीय व्यापारियों के लिए संदेश स्पष्ट है—एक बाजार पर निर्भरता कम करें, उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाएं, नए बाजार तलाशें और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए स्वयं को तैयार करें। और सरकार के लिए भी यही समय है कि वह संकट को केवल तत्काल टैरिफ वार्ता के रूप में न देखे, बल्कि इसे भारत के निर्यात ढांचे को अधिक मजबूत, विविध और आत्मनिर्भर बनाने के अवसर के रूप में देखे। क्योंकि टैरिफ आज 25 प्रतिशत हो सकता है, कल 50 प्रतिशत और किसी अन्य परिस्थिति में 100 प्रतिशत की चर्चा भी सामने आ सकती है। लेकिन यदि भारतीय उद्योग प्रतिस्पर्धी, विविधीकृत और मजबूत है, तो किसी एक बाजार की नीति में बदलाव पूरे भारतीय व्यापार की दिशा तय नहीं कर पाएगा। यही समय है कि भारत अपने व्यापार को केवल टैरिफ से बचाने की रणनीति न बनाए, बल्कि ऐसी आर्थिक ताकत विकसित करे कि वैश्विक बाजार भारतीय उत्पादों के बिना स्वयं को अधूरा महसूस करे।

राधा अष्टमी के दिन श्री राधा रानी को अर्पित करें ये चीजें, धन-धान्य से भरा रहेगा घर

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। राधा अष्टमी के दिन राधा रानी का जन्मोत्सव मनाने के साथ ही उनकी सेवा-पूजा एवं भव्य श्रृंगार का भी विधान है। इसके अलावा, राधा रानी की पूजा के दौरान उन्हें कुछ चीजें अर्पित करने से उनकी कृपा प्राप्त हो सकती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें बांसुरी

बांसुरी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि श्री कृष्ण बांसुरी तभी बजाते थे जब पहले राधा रानी उसमें स्वर का संचार करती थीं। ऐसे में कृष्ण प्रिय बांसुरी राधा रानी को अर्पित करने से वह शीघ्र प्रसन्न हो जाती हैं।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें चूड़ा

राधा रानी को हाथ में पहनने वाले कड़े अर्पित करने चाहिए। यानी कि जब आप उनका श्रृंगार कर रहे हों तो उन्हें चूड़ा या कड़ा अवश्य पहनाएं। ऐसी मान्यता है कि कृष्ण भगवान को राधा रानी के हाथों में कड़े बहुत भाते थे।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें मोरपंख

मोरपंख न सिर्फ कृष्ण प्रिय है बल्कि राधा रानी को भी मोरपंख बहुत भाता है। ऐसे में अगर राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को मोरपंख अर्पित जाए तो इससे व्यक्ति के जीवन के सभी दुख और नकारात्मकता दूर होती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें नाम जाप

राधा अष्टमी के दिन जितना हो सके उतना राधा नाम का जाप या कृष्ण नाम का जपा करना चाहिए। शास्त्रों में भी लिखा है कि नाम जाप से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। ऐसे में राधा कृष्ण का नाम जाप करने से उनका सानिध्य मिलता है।

मोक्षदायिनी है परिवर्तिनी एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व होता है. सालभर में कुल 24 एकादशी आती है, जिनमें से प्रत्येक व्रत का अलग-अलग फल और महत्व माना गया है. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है. मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है.

एकादशी का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और हर महीने में दो बार आता है. इनमें से एक एकादशी, परिवर्तिनी एकादशी, विशेष महत्व रखती है. यह व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु अपनी चार महीने की योगनिद्रा की मुद्रा में करवट लेते हैं, इसलिए इसे परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. आइए जानते हैं इस व्रत की तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व के बारे में विस्तार से.

परिवर्तिनी एकादशी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार, एकादशी तिथि का आरंभ 21 सितंबर को रात में 8 बजकर 1 मिनट से शुरू होगी और 22 सितंबर को रात में 9 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 22 तारीख को ही व्रत का व्रत रखा जाएगा। एकादशी तिथि का व्रत 22 सितंबर को ही रखना शास्त्र सम्मत है क्योंकि, 22 सितंबर को एकादशी तिथि पूरे दिन रहेगी और सुबह में भी सूर्योदय के साथ ही आरंभ हो जाएगी।

परिवर्तिनी एकादशी की पूजा विधि

एकादशी के दिन सुबह स्नान के बाद व्रत का संकल्प लें. भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें. उन्हें पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से स्नान कराएं. भगवान को पीले वस्त्र पहनाएं और पीली वस्तुओं से उनका श्रृंगार करें. इसके बाद उन्हें तुलसी दल, फूल, फल, मिठाई और विशेष रूप से माखन-मिश्री का भोग लगाएं. 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें. विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना भी बहुत शुभ माना जाता है. आखिर में, भगवान विष्णु की आरती करें. इस दिन रात्रि जागरण का विशेष महत्व है. रात में भगवान विष्णु के भजन-कीर्तन करें और उनकी महिमा का गुणगान करें. द्वादशी के दिन व्रत का पारण करें. पारण से पहले किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं या दान दें.

परिवर्तिनी एकादशी का महत्व

परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखने से कई शुभ फल प्राप्त होते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है.इस दिन व्रत रखने से घर में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है. सच्चे मन से की गई पूजा और व्रत से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. यह व्रत व्यक्ति को जीवन-मरण के बंधन से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाता है. इस प्रकार, परिवर्तिनी एकादशी का व्रत एक बहुत ही पवित्र और फलदायी व्रत है, जिसे विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है.

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें इन पेड़ों की पूजा, दूर होगा ग्रह दोष

परिवर्तिनी एकादशी इस साल 22 सितंबर की पड़ रही है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें केले के पेड़ की पूजा

केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, केले के पेड़ का संबंध बृहस्पति यानी कि गुरु ग्रह से बताया गया है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिनकेले के पेड़ की पूजाकरने से कुंडली में ब्रिहस्पी मजबूत होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें तुलसी के पौधे की पूजा

तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण से घर में तुलसी रखने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि घर में तुलसी का पौधा हो तो साक्षात लक्ष्मी वास करती हैं। एकादशी के दिन तुलसी को हात लगाने की मनाही है लेकिन तुलसी के पास दीपक जला सकते हैं।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें पीपल के पेड़ की पूजा

पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से सभी देवी-देवताओं की कृपा घर पर बनी रहती है। इसके अलावा, इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से ग्रह दोष एवं वास्तु दोष भी दूर होता है।

परिवर्तिनी एकादशी पर करें इन पांच चीजों का दान सभी कष्टों से मिलेगी मुक्ति

साल में 24 एकादशी तिथि होती है, जो सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन जगत के पालनहार की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। एकादशी तिथि पर व्रत रखने से व्यक्ति के धन धान्य में वृद्धि और जीवन में खुशियों का वास होता है। हर माह में आने वाली एकादशी तिथि का अपना विशेष महत्व होता है। हालांकि इनमें परिवर्तिनी एकादशी को सबसे खास माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु निद्रासन में अपनी करवट बदलते हैं, इसलिए इसका नाम परिवर्तिनी एकादशी है। इस साल 22 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन शोभन योग के साथ उत्तराषाढा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ऐसे में कुछ चीजों का दान करने से भाग्य में वृद्धि और तरक्की के योग का निर्माण हो सकता है।

पीले रंग के फल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु को पीला रंग अधिक प्रिय है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी पर पीले रंग के फल दान करने से शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

दाल का दान

परिवर्तिनी एकादशी के खास मौके पर दाल का दान करना चाहिए। मान्यता है कि दाल के दान से गुरु दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में खुशियों का वास होता है।

सफेद रंग की मिठाई

परिवर्तिनी एकादशी पर पीले या सफेद रंग की मिठाई का दान करें। मान्यता है कि इससे जीवन में मिठास बनी रहती है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी भी खुश होती हैं।

वस्त्र का दान

परिवर्तिनी एकादशी पर जरूरत लोगों को वस्त्र का दान करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं, और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कहते हैं कि वस्त्रों का दान करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी जीवन में बनी रहती है।

अन्न का दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंदों को अन्न का दान करने से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। आप परिवर्तिनी एकादशी पर अन्न का दान कर सकती हैं। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन घी का दीया जलाने के क्या लाभ हैं

- परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं।
- हिन्दू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु को पंचगव्य अर्पित करने से 1000 यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है।
- इसके अलावा, 10 हजार अनुष्ठानों के बराबर फल मिलता है। घी भी गाय के दूध से बनता है और पंचगव्य का ही एक हिस्सा है।
- ऐसे में भगवान विष्णु को घी चढ़ाने या उनके समक्ष घी का दीया जलाने से यज्ञों और अनुष्ठानों के समान फल की प्राप्ति होती है।
- वहीं, ज्योतिष शास्त्र की मानें तो हर खान-पान से जुड़ी वस्तु का नाता ग्रहों से होता है। ऐसे में घी का संबंध बृहस्पति ग्रह से है।
- परिवर्तिनी एकादशी के दिन अगर भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाया जाए तो उनकी कृपा से गुरु ग्रह मजबूत होते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को ऐसे करें राधा स्वरूप में तैयार

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधाष्टमी मनाई जाती है। इस दिन जहां एक ओर राधा रानी के भव्य श्रृंगार और उनकी पूजा का विधान है तो वहीं, इस दिन लड्डू गोपाल को राधा रानी के रूप में भी तैयार किया जाता है। जिन लोगों के घरों में राधा रानी विराजमान नहीं है वह लड्डू गोपाल का राधा रानी के रूप में श्रृंगार कर सकते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल का राधा रानी रूप में श्रृंगार

- राधा रानी की तरह तैयार करने के लिए लड्डू गोपाल के लिए सबसे पहले सोलह श्रृंगार की वस्तुएं और वस्त्र खरीदकर रख लें।
- इसके अलावा, राधा राधा रानी की प्रिय वैजयंती माला, मोगरे के फूल और चंदन भी लाना न भूलें। इनके बिना श्रृंगार अधूरा है।
- इसके बाद राधा अष्टमी वाले दिन लड्डू गोपाल को सबसे पहले पंचामृत से स्नान कराएं। फिर चंदन से लाला को नहलाएं।
- फिर जल से स्नान कराने के बाद उन्हें गोपी ड्रेस पहनाएं। गोपी ड्रेस द्वापर युग में गोपियां और श्री राधा रानी धारण करती थीं।
- लड्डू गोपाल को गोपी ड्रेस पहनाने के बाद आंखों में काजल भरें। होठों पर लाली लगाएं। हाथों में कंगन और पेरों में पायल पहनाएं।
- इसके बाद कमर पर करधनिया यानी कि कमर बंद बांधें। लड्डू गोपाल को कानों में राधा रानी की तरह कुंडल पहनाएं।
- फिर लड्डू गोपाल को केश पहनाएं और केशों को फूलों से सजाएं। लड्डू गोपाल को गले में सुंदर सा हार भी पहनाएं।
- इसके बाद भौहों के ऊपर लड्डू गोपाल का चंदन से श्रृंगार करें। लड्डू गोपाल को पहनाई गई गोपी ड्रेस पर इत्र अवश्य छिड़कें।
- इसके बाद लड्डू गोपाल के समक्ष पहले राधा रानी या युगल जोड़ी की आरती गाएं। फिर लड्डू गोपाल की आरती करें।

राधा अष्टमी के दिन पढ़ें ये व्रत कथा

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि राधा अष्टमी के दिन जितना लाभकारी राधा रानी की पूजा करना होता है, उतना ही शुभ राधा अष्टमी की व्रत कथा सुना या पढ़ना माना जाता है।

राधा अष्टमी की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, श्री राधा रानी और श्री कृष्ण के धाम गोलोक में एक बार श्रीदामा जी पधारे जो कान्हा के परम भक्त और उनके साथी माने जाते हैं। यूं तो श्रीदामा श्री कृष्ण के साथ रहते थे लेकिन एक बार ब्रह्म ज्ञान के बारे में जानने हेतु वह गोलोक से बाहर गए। जब श्रीदामा वापस लौटे और कृष्ण दर्शनों के लिए उनके पास पहुंचे तब श्री राधा रानी के साथ श्री कृष्ण लीला करने में इतने लीन थे कि उन्हें श्रीदामा के आने का आभास ही नहीं हुआ। यह देख श्रीदामा बहुत दुखी हुए और उन्हें श्री राधा रानीके ऊपर भयंकर क्रोध आ गया। श्रीदामा का मानना था कि राधा रानी के कारण ही श्री कृष्ण उनसे दूर हो गए हैं। बस यही सोचते हुए उन्होंने श्री राधा रानी को यह श्राप दे दिया कि वह श्री कृष्ण से दूर हो जाएंगी और पृथ्वी पर जन्म लेंगी। असल में यह सब राधा रानी और कान्हा की ही रचाई हुई लीला थी। कृष्ण अवतार के दौरान प्रेम की मूल वाख्या को समझाने के लिए ही राधा रानी और श्री कृष्ण ने श्राप का यह खेल रचा ताकि कृष्ण से पहले राधा रानी का पृथ्वी पर अवतरण हो जाए। इसके बाद राधा रानी का भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन बरसाना में जन्म हुआ।

शादी को लेकर समय रैना और मेधा शंकर का नाम चर्चा में

कॉमेडियन और 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और अभिनेत्री मेधा शंकर एक बार फिर सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं। इस बार वजह उनका कोई कॉमेडी शो या फिल्म नहीं, बल्कि उनकी गुप्त शादी की अटकलें हैं। इंटरनेट पर सामने आ रहे दो अलग-अलग दावों ने इस चर्चा को और दिलचस्प बना दिया है। जहां एक तरफ कहा जा रहा है कि दोनों दिसंबर में सात फेरे लेंगे, वहीं दूसरी तरफ दावा है कि शादी पहले ही हो चुकी है। इन चर्चाओं के बीच फैंस के बीच भी उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि, शादी की तारीख को लेकर दोनों कलाकारों ने कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रिपोर्ट्स में सबसे दिलचस्प बात यह है कि दोनों दावों की टाइमलाइन एक-दूसरे से बिल्कुल मैच नहीं करती। दोनों चर्चाओं का आधार कथित सोशल मीडिया पोस्ट हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर किसी खबर का वायरल होना अपने आप में उसकी पुष्टि नहीं करता। आइए जानते हैं कि इन दोनों दावों में क्या कहा गया है और यह चर्चा शुरू कैसे हुई।

शादी को लेकर पहली चर्चा एक कथित रेडिट पोस्ट से शुरू होने की बात कही जा रही है। इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया था। कथित पोस्ट में दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर दिसंबर में शादी करने की योजना बना रहे हैं। पोस्ट शेयर करने वाले यूजर ने खुद को समय के परिवार का करीबी बताते हुए कहा कि समय की मां से बातचीत के मुताबिक दोनों दिसंबर में शादी की योजना बना रहे हैं। हालांकि, यह मूल पोस्ट अब उपलब्ध नहीं है और इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दिसंबर में शादी की चर्चा के बीच एक दूसरा दावा भी सामने आने की बात कही जा रही है। इस कथित पोस्ट में इससे बिल्कुल अलग जानकारी दी गई थी। दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर करीब दो महीने पहले ही शादी कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पोस्ट में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी होने की बात कही गई थी। कथित जानकारी का स्रोत मेधा शंकर की किसी करीबी दोस्त को बताया गया था। यह पोस्ट भी रेडिट पर शेयर होने और बाद में डिलीट किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। शादी कब और कहां हुई और न ही कोई मैरिज सर्टिफिकेट या तस्वीर। ऐसे में यह कहना संभव नहीं है कि दोनों ने वास्तव में दो महीने पहले शादी की थी।मेधा शंकर 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के एक एपिसोड में नजर आई थीं। इसी दौरान समय रैना से पूछा गया था कि वह पैनल में मौजूद किस व्यक्ति के सबसे करीब हैं। बताया जाता है कि समय ने इस सवाल के जवाब में मेधा शंकर का नाम लिया था, जिसके बाद से ही फैंस उनके रिश्ते के कयास लगाने लगे।

समय रैना और मेधा शंकर को लेकर सोशल मीडिया पर पहले स्विट्जरलैंड वेकेशन की चर्चा भी सामने आने की बात कही गई थी। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि दोनों स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रहे हैं। इस चर्चा के साथ एक फोटो भी शेयर की गई थी। फोटो में एक पुरुष और महिला पीछे से नजर आ रहे थे। हालांकि, उस फोटो में चेहरा साफ न होने के कारण यह तय नहीं किया जा सकता कि उसमें मौजूद लोग समय रैना और मेधा शंकर ही थे।

इंडस्ट्री में आते ही राधिका को बॉडी की प्लास्टिक सर्जरी कराने को कहा था

राधिका आप्टे फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना माना नाम हैं. अपनी अदाकारी से राधिका ने हर किसी को अपना फैन बनाया है. आज 7 सितंबर हैं और आज है राधिका आप्टे का 37वां जन्मदिन. राधिका आप्टे के जन्मदिन के मौके पर आज हम आपके साथ एक ऐसी बात शेयर करने जा रहे हैं, जो चकाचौंध वाली इस इंडस्ट्री की पोल खोलती है.बॉलीवुड से कई कास्टिंग काउच की घटनाएं सामने आई हैं. कास्टिंग काउच जैसी चीजों को राधिका आप्टे ने भी फेस किया था. लेकिन सबसे खराब राधिका के लिए वो वक्त था, जब उनके इंडस्ट्री में आते ही लोगों ने उन्हें प्लास्टिक सर्जरी कराने की सलाह देना शुरू कर दिया.

एक इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने ये खुलासा किया था कि उन्हें कुछ लोगों ने इंडस्ट्री में आते ही बॉडी और चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी कराने को कहा था. राधिका ने इस पर बात करते हुए कहा था कि लोगों ने उन्हें अपनी नाक को ठीक कराने और ब्रेस्ट इंप्लांट कराने की सलाह दी थी. इन चीजों ने राधिका को गुस्सैल बना दिया था. इतना ही नहीं, इंडस्ट्री में राधिका के रंग को लेकर भी उनपर कमेंट किए गए थे.हालांकि, राधिका ने इन सब चीजों के कारण खुद को टूटने नहीं दिया और मजबूती के साथ इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए. राधिका का अभिनय सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं है. राधिका ने हिंदी के अलावा मराठी, तमिल, बंगाली और इंग्लिश फिल्मों में भी काम किया है।राधिका आप्टे अब इंडस्ट्री में खूब नाम और शोहरत कमा रही हैं. ऑनलाइन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राधिका आप्टे की नेट वर्थ करीब 3 से 4 मिलियन है. किसी भी प्रोजेक्ट के लिए राधिका तरीबन 1 करोड़ रुपये फीस लेती है. कई बार ये बार ज्यादा भी हो जाती है। इसके अलावा राधिका का मुंबई में एक आलीशान घर है, जिसमें वो अपने पति के साथ रहती हैं. राधिका के पास लग्जरी गाड़ी भी है.

प्राची ने खोला था कास्टिंग काउच का राज

प्राची ने 2006 में क़सम से शो से टीवी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था. एक्ट्रेस उन खुशनसीब स्टार्स में से एक हैं जिन्हें पहले ही टीवी शो क़सम से ने बहुत पॉपुलर कर दिया. बॉलीवुड के ऑफ़र्स आसानी से मिलने लगे थे. एक्ट्रेस ने कम उम्र में संजीदा किरदार सभी का दिल जीत लिया था. क्या बोलीं एक्ट्रेस साल 2008 में फिल्म रॉक ऑन से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली प्राची वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई, अज़हर, बोल बच्चन जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. प्राची ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि बॉलीवुड में कास्टिंग काउच से लेकर नेपोटिज़्म तक जैसी चीज़ें हमेशा से होती आई हैं, बस लोग इन पर बात करियर बचाने के लिए बात नहीं करते हैं.

बॉलीवुड में अक्सर कुछ ऐसे मुद्दे उठते रहते हैं जिन पर हमेशा विवाद होता है. कभी नेपोटिज़्म तो कभी ड्रग्स तो कभी कास्टिंग काउच, लेकिन अगर बात कास्टिंग काउच की करें तो इस बारे में बड़ी-बड़ी दिग्गज हिरोइन्स अपने साथ हुए हादसों का खुलासा कर चुकी हैं. उनके खुलासे ने बी टाउन में तूफान खड़ा कर दिया है. जहां कई लोग बॉलीवुड के काले राजों को छुपाने के लिए एढ़ी-चोटी का जोर लगाते हैं, तो वहीं कई एक्टर्स खुलकर इसके काले चिट्ठे लोगों के सामने रखते हैं, और इसी लिस्ट में प्राची देसाई हैं. एक्ट्रेस ने भी अपने साथ हुए एक हादसे का खुलासा कर बॉलीवुड में हलचल मचा दी थी. खुलकर रखी बात एक्ट्रेस प्राची देसाई ने इस पर अपना अनुभव साझा कर अपनी बात लोगों के सामने रखी. प्राची ने 2006 में क़सम से शो से टीवी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था. एक्ट्रेस उन खुशनसीब स्टार्स में से एक हैं जिन्हें पहले ही टीवी शो क़सम से ने बहुत पॉपुलर कर दिया. बॉलीवुड के ऑफ़र्स आसानी से मिलने लगे थे. एक्ट्रेस ने कम उम्र में संजीदा किरदार सभी का दिल जीत लिया था. क्या बोलीं एक्ट्रेस साल 2008 में फिल्म रॉक ऑन से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली प्राची वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई, अज़हर, बोल बच्चन जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. प्राची ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि बॉलीवुड में कास्टिंग काउच से लेकर नेपोटिज़्म तक जैसी चीज़ें हमेशा से होती आई हैं, बस लोग इन पर बात करियर बचाने के लिए बात नहीं करते हैं. मैं इन चीजों से गुजर चुकी हूं. खुद मुझे एक बड़ी फिल्म का ऑफ़र आया था. मेरे सामने डायरेक्टर ने ये शर्त रखी थी कि मुझे उस रोल के लिए कॉम्प्रोमाइज़ करना होगा. मैंने तुरंत इंकार कर दिया था. बावजूद इसके उस डायरेक्टर ने मुझे दोबारा फोन करके पूछा, तब मैंने कहा कि मुझे ये फिल्म ही नहीं करनी है. ओटीटी आने से खुश हैं प्राची प्राची देसाई ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता से बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने इस बात की खुशी जताई कि ओटीटी प्लेफ़ॉर्म के आने से काफ़ी कुछ बदल गया है. उन्होंने कहा कि अब सबको मौक़ा मिलना थोड़ा आसान हो गया है, क्योंकि अब हमारे पास ऑप्शंस हैं. लोगों को भी कंटेंट में वेरायटी देखने को मिलती है।

44 साल की उम्र में शादी करेगी अनुष्का

जब साउथ इंडस्ट्री की स्विकृति वैश्विक स्तर पर इतनी नहीं थी और सिर्फ चुनिंदा साउथ कलाकार ही पॉपुलर थे उस दौरान साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अनुष्का शेट्टी एक प्रॉमिनेंट चेहरा थीं. उस दौर में ना तो रश्मिका थीं, ना समांथा और ना तो नयनतारा. लेकिन अनुष्का शेट्टी हिंदी ऑडियंस के बीच बिना कोई हिंदी फिल्म किए ही पॉपुलर थीं. अब एक्ट्रेस 44 साल की हो चुकी हैं और अभी भी फिल्म इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर हैं. बाहुबली फिल्म के जरिए तो उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर पॉपुलैरिटी हासिल कर ली है.

एक समय ऐसा था जब उनका नाम पैन इंडिया स्टार प्रभास के साथ भी जोड़ा गया था. लेकिन दोनों ने कई मौकों पर ये साफ कर दिया था कि उनके बीच ऐसा कुछ भी नहीं है और दोनों आपस में बस अच्छे दोस्त हैं. लेकिन इसके बाद भी दोनों को लेकर अफवाहें आती ही रहती हैं. अब एक बार फिर से ऐसी खबरें आई हैं कि अनुष्का शेट्टी अब जीवन के दूसरे पड़ाव में कदम रखने की तैयारी में हैं. लेकिन वे किससे शादी करने जा रही हैं इसे लेकर कोई भी डिटेल अभी सामने नहीं आई है.

मैंगलोर में जन्मीं कन्नड़ गर्ल अनुष्का शेट्टी ने अपनी खूबसूरती और शानदार एक्टिंग से फैंस का दिल जीता है और फैंस के दिलों में खास जगह भी बनाई है. रिपोर्ट्स की मानें तो रश्मिका मंदाना और समांथा के बाद अब अनुष्का शेट्टी ने भी शादी का फैसला कर लिया है और वे जल्द ही वैवाहिक जीवन में बंध सकती हैं. सोर्स के हवाले से ये सामने आया है कि वे अरेंज मैरिज करने जा रही हैं और बेंगलुरु के एक बिजनेसमैन से विवाह कर सकती हैं. हालांकि अभी उनके होने वाले पति की पहचान नहीं हो सकी है. फिलहाल शादी को लेकर अभी ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं.

क्या हैं अनुष्का के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स?

एक्ट्रेस ने पिछले कुछ समय से खुद पर काम भी किया है और अपना वजन भी घटाया है. वे 44 साल की उम्र में भी एक्शन फिल्में कर रही हैं और आज के दौर की एक्ट्रेस के साथ कॉम्पिटीट कर रही हैं. अनुष्का शेट्टी को साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे वर्सेटाइल एक्ट्रेस में से एक माना जाता है. साल 2025 में एक्ट्रेस की फिल्म घाटी सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी. लेकिन फैंस को एक्ट्रेस की ये एक्शन-ड्रामा फिल्म कुछ खास रास नहीं आई थी और फ्लॉप रही थी. फिलहाल साल 2026 में एक्ट्रेस कटहनर नाम की फिल्म में नजर आएंगी. इस फिल्म में एक्ट्रेस के अपोजिट एक्टर जयसूर्या नजर आएंगे. इसके अलावा फिलहाल एक्ट्रेस के पास कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं है।

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत, नशामुक्त समाज के लिए दिलाई शपथ

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए किया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जन जागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर तनुजा सलाम के निदेर्शों के अनुपालन में 18 सितंबर 2026 को शासकीय हाईस्कूल मूकादाह, थाना गोटाटोला, मोहला में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग, नशामुक्ति केंद्र एवं पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और इससे होने वाले सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक नुकसान की जानकारी दी। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नशे की लत से बचाव तथा नशामुक्त जीवन अपनाने के उपायों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सरपंच द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों को नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना, स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना तथा सामूहिक सहभागिता से नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा देना है।

सेवा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

जिले में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत नमो सेवा अनकही कहानियां, संगीतमय नाटक की प्रस्तुति की जा रही है। अभियान अंतर्गत मानपुर विकासखंड के ग्राम भरीटीला में नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन किया गया। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिक सशक्तिकरण एवं जनसेवा से जुड़े विषयों के प्रति जागरूक करना तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संदेश देना था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा भाव, जनकल्याण और सुशासन से जुड़े संदेशों को प्रभावी एवं जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कलाकारों ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्व के साथ केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक सशक्तिकरण के विषयों को सरल और रोचक तरीके से ग्रामीणों के समक्ष रखा। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को अपने अधिकारों तथा शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कलाकारों की प्रस्तुति ने उपस्थित ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया और लोगों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। ग्राम भरीटीला के बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने नुक्कड़ नाटक का आनंद लिया तथा सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक जागरूकता से जुड़े अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से सेवा का संदेश अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

खास खबर

बच्चों की कल्पना में दिखा 'मेरे सपनों का भारत'

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज ग्राम मानपुर के शासकीय प्राथमिक शाला में 'मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों ने स्वच्छ भारत, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 जैसे विषयों को अपनी पेंटिंग और रंगोली के माध्यम से बेहद खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की अद्भुत प्रतिभा, रचनात्मकता और देश के प्रति उनकी सकारात्मक सोच देखने को मिला।

बच्चों के चित्रों में डिजिटल इंडिया, हरित भारत, स्वच्छ भारत और आत्मनिर्भर भारत की जो तस्वीर उभरी, वह 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करती है। इस सुंदर एवं प्रेरणादायक आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन, प्रधान पाठिका सरिता चतुवेर्दी सहित समस्त शिक्षकगण विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सरपंच खपरी-मानपुर चुन्नू निषाद, उपसरपंच मिटो गायकवाड़, शिक्षक संजय मस्तके, बाला राम यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, पालकगण एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

छन्नू राम का पक्के घर का सपना हुआ साकार 'प्रधानमंत्री आवास योजना' से मिली राहत

बेमेतरा। हर इंसान का सपना होता है कि उसका अपना एक पक्का और सुरक्षित घर हो, जहां वह अपने परिवार के साथ चैन से रह सके। साजा विकासखंड के ग्राम मासुलगोंदी के रहने वाले छन्नू राम (पिता- बुधारू) का यह सपना अब पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की 'प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' के तहत साकार हो गया है। शासन की इस महती योजना ने न सिर्फ उन्हें पक्की छत दी है, बल्कि उनके जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है।

कच्चे मकान में होता था संघर्ष : कुछ समय पहले तक छन्नू राम का जीवन काफी मुश्किलों भरा था। उनका परिवार एक टूटे-फूटे कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। सबसे ज्यादा परेशानी बारिश के मौसम में होती थी। कच्ची छत से पानी टपकना, दीवारों में सीलन और कीड़े-मकोड़ों का डर हमेशा बना रहता था। हर बरसात में परिवार को अपनी और अपने सामान की सुरक्षा की चिंता सताती रहती थी।

योजना बनी वरदान, मिला 1.20 लाख का अनुदान : छन्नू राम के जीवन में सकारात्मक बदलाव तब आया, जब उन्हें 'प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' का लाभ मिला। इस योजना के तहत पक्का घर बनाने के लिए उन्हें 1,20,000 रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। शासन से मिली इस मदद से छन्नू राम ने तेजी से अपने घर का निर्माण कार्य पूरा किया।अब सुरक्षित और खुशहाल है परिवार आज छन्नू राम का परिवार सीलन, टपकती छत और कीड़े-मकोड़ों के खौफ से पूरी तरह मुक्त है। उनका वह पुराना कच्चा घर अब एक 'सुग्घर पक्के मकान' में तब्दील हो चुका है, जहां वे हर मौसम में पूरी तरह सुरक्षित हैं।

हितग्राही की जुबानी : अपने नए पक्के घर के आंगन में मुस्कुराते हुए छन्नू राम कहते हैं-"पहले मैं कच्चे मकान में रहता था। बरसात के दिनों में पानी टपकने और कीड़े-मकोड़ों की वजह से बहुत परेशानी होती थी। अब शासन की मदद से मेरा अपना पक्का घर बन गया है और मैं अपने परिवार के साथ यहाँ बिना किसी परेशानी के बहुत अच्छे से रहता हूँ।मै मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का आभार व्यक्त करता हूं।

सेवा का भाव ही एक सशक्त, संवेदनशील और विकसित समाज की आधारशिला : संतोष पाण्डेय

सांसद ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार पोस्टरों व प्रस्तुत भाषणों की सराहना की

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सांसद संतोष पाण्डेय सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत पीएमश्री सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव में आयोजित मेरे सपनों का भारत-चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल हुए। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत विद्यार्थियों में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की भावना के विकास के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने समाजसेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता एवं राष्ट्रनिर्माण से संबंधित संदेश प्रस्तुत 100 से अधिक बैनर एवं पोस्टर तैयार किए। साथ ही 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रभावशाली भाषणों के माध्यम से सेवा के महत्व, समाज के प्रति अपने दायित्वों तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं सेवा भावना विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही।

सांसद संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार पोस्टरों एवं प्रस्तुत भाषणों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवा का भाव ही एक सशक्त, संवेदनशील एवं विकसित समाज की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन निश्चित ही विद्यार्थियों में सेवा, नेतृत्व एवं सामाजिक चेतना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल, एसएमडीसी अध्यक्ष कमलेश सूर्यवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

268 पदों की पदस्थापना के लिए हुई कांउसिलिंग

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राजनांदगांव, मानपुर-मोहला-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले में 20 प्रकार के स्वास्थ्य सेवाओं में मानव संसाधन के पूर्ति के लिए पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में 268 पदों की पदस्थापना के लिए कांउसिलिंग की गई। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं में मानव संसाधन के पूर्ति होने से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों सहित जिले के नागरिकों को बेहतर सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्ति में पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया गया है। नवनियुक्त कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने कहा गया है। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव डॉ. नेतराम नवरतन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरागढ़ -छुईखदान-गण्डई डॉ. आशीष शर्मा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय राजनांदगांव डॉ. महेन्द्र प्रसाद, डॉ. एसआर कोवाची, डॉ. बीएल तुलावी, डॉ. अल्पना लूनिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, जिला एचआर मैनेजर मनीष साहू, हरीश वैष्णव, प्रदीप कुमार पटौती, अखिलेश नारायण सिंह, कौशल किशोर शर्मा, डीपीएम डॉ. सोनल ध्रुव सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान : प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना बनी मंजू के लिए संबल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बन रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली सहायता से महिलाएं गर्भावस्था के दौरान अपने स्वास्थ्य और पोषण का बेहतर ध्यान रख पा रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना लाल बहादुर नगर निवासी मंजू रजक के लिए ऐसे समय में मददगार साबित हुई, जब पहली बार मां बनने के दौरान वह अपने और होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर चिंतित थीं।

मंजू रजक साधारण परिवार से हैं। उनके पति किशोर रजक मजदूरी का कार्य करते हैं और उनकी आय से ही परिवार का भरण-पोषण होता है। उन्होंने बताया कि पहली बार मां बनने की खुशी के साथ मन में कई तरह की चिंताएं भी थीं। गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार और बेहतर देखभाल के लिए होने वाले अतिरिक्त खर्च से चिंतित थी। इसी दौरान उनकी मुलाकात आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रूखमणी उइके से हुई। उन्होंने मंजू को प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की जानकारी दी और आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीयन कराया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना अंतर्गत प्रसव पूर्व जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद मंजू को पहली किश्त के रूप में 3 हजार रूपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। आर्थिक सहायता मिलने से अपने पोषण पर विशेष ध्यान देना शुरू किया। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लगातार संपर्क में रहीं और समय-समय पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी देती रही।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया और आवश्यक जांच कराई गई। इसके बाद उन्होंने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के बाद भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बच्चे के स्वास्थ्य, पोषण और टीकाकरण को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। बच्चे का टीकाकरण पूरा होने के बाद मंजू को योजना की दूसरी किश्त के रूप में 2 हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। वह इस राशि का उपयोग बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना से उन्हें गर्भावस्था के दौरान आर्थिक सहायता के साथ-साथ स्वास्थ्य और पोषण के संबंध में सही मार्गदर्शन मिला। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु भैया का तहे दिल से धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से श्याम सुंदर वैष्णव का घर हुआ रौशन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बिजली उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही बिजली बिल से राहत और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से हितग्राही अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाकर बिजली के खर्च में कमी ला रहे हैं।

डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम कातलवाही निवासी श्याम सुंदर वैष्णव ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेते हुए अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाकर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बन गए है।

श्याम सुंदर वैष्णव ने बताया कि उनके परिवार में 6 सदस्य है। उनके घर में फ्रिज, कूलर पंखे, पानी की मोटर सहित अन्य विद्युत उपकरणों के उपयोग के कारण हर महीने लगभग 1800 से 2200 रूपए बिजली बिल आता था। वह बिजली खर्च में राहत पाने का विकल्प तलाश रहे थे। इसी दौरान ग्राम पंचायत में आयोजित सूर्य सभा एवं जागरूकता शिविर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली। शिविर में अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत हितग्राहियों को केन्द्र सरकार की ओर से 78000 रूपए एवं राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है। साथ ही सोलर रूफटॉप पैनल विभिन्न लाभों के बारे में बताया। उन्होंने योजना के लाभों से प्रभावित होकर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया।

आवेदन स्वीकृत होने के बाद उनके घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया गया। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद वैष्णव के परिवार को बिजली खर्च में बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है और उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है। इससे हर महीने करीब 2000 रूपए तक की बचत हो रही है। सोलर पैनल से उत्पादित अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जा रही है। जिसका नियमानुसार भविष्य में भी लाभ मिलेगा। साथ ही योजना के तहत केन्द्र एवं राज्य शासन से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो गई है।

श्याम सुंदर वैष्णव ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप पैनल लगवाने से बिजली बिल से राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ एवं सौर ऊर्जा के उपयोग के प्रति जागरूक बनाया है। उन्होंने बताया कि योजना से प्रभावित होकर गांव के अन्य ग्रामीणों को भी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी दे रहे है और सोलर रूफटॉप पैनल लगवाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी बेहतरीन योजना के लिए धन्यवाद दिया है।

कार्यक्रम 107 बच्चों का किया गया हृदय रोग जांच

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत बाल हृदय रोग जांच शिविर का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / 00000

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु के तहत सत्य सांई संजीवनी हॉस्पिटल रायपुर द्वारा बाल हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिरायु दलों द्वारा चिन्हांकित 107 बच्चों को पंजीयन किया गया। सत्य सांई संजीवनी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सभी बच्चों का जांच किया गया। जिसमें से 39 बच्चें हृदय रोग से ग्रसित पाये गये एवं 11 बच्चों का फॉलो-अप किया गया।

ज्ञातव्य है कि विगत वर्ष बाल हृदय रोग जांच शिविर में 146 बच्चों का पंजीयन किया गया था। जिसमें से 48 बच्चे हृदय रोग से ग्रसित पाये गये थे। इनमें से 34 बच्चों का ईलाज हो गया है। शेष 14 बच्चों का ईलाज जारी है। शिविर में सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, कमल सिंह राजपूत, तरूण लहरमानी, राजा मखीजा, चिंटू सोनकर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अधिष्ठाता डॉ. पंकज लुका, संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अतुल देशकर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती लता उर्वशा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, डॉ. पवन जेठानी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, जिला डाटा प्रबंधक अखिलेश चोपड़ा, सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल के टीम से मुख्य बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश साठे, ट्रस्ट अधिकारी एसजगदीश राव, चिकित्सा सेवाओं के समन्वयक डॉ. निखिल शुक्ला, स्टॉफ नर्स डिंपल, किरण वर्मा, फरजाना, बॉयोमेडिकल इंजीनियर प्रदीप वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल कॉलेज टीम, विकासखण्ड की चिरायु टीम, जिला स्तरीय सलाहकार, सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

सुकन्या समृद्धि योजना बनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुकन्या समृद्धि योजना ने बेटी के शिक्षा, उच्च शिक्षा, विवाह सहित अन्य भविष्य में आने वाली छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए माता-पिता का बड़ा सहारा बन सकती है। छुरिया विकासखंड के ग्राम चिरचारीकला निवासी रतिला चंद्रवंशी ने सुकन्या समृद्धि योजना से जुड़कर अपनी बेटी गीतांजलि के उज्ज्वल भविष्य के लिए नियमित बचत की शुरूआत की है।

रतिला चंद्रवंशी अपनी पुत्री गीतांजलि चंद्रवंशी के भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। बेटी के जन्म पर उन्हें बेहद खुशी हुई और उन्होंने उसके पोषण एवं बेहतर परवरिश का विशेष ध्यान रखा। साथ ही बेटी की स्कूली एवं उच्च शिक्षा के लिए छोटी-छोटी बचत भी शुरू की। उन्होंने बताया कि परिवार में अचानक आवश्यकताएं आने पर कई बार उन्हें अपनी बचत राशि खर्च करनी पड़ती थी। इससे बेटी के भविष्य के लिए की गई बचत फिर से समाप्त हो जाती थी। ऐसे में उन्हें बेटी के भविष्य को लेकर चिंता होती थी। इसी दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनिता गंधर्व से सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी मिली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य के लिए बचत को प्रोत्साहित करती है। योजना की जानकारी मिलने के बाद रतिला चंद्रवंशी ने बिना देर किए अपनी पुत्री गीतांजलि के नाम से सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया और नियमित रूप से राशि जमा करना शुरू किया।

गौवंश तस्करी पर कार्रवाई, 3 मवेशियों से भरी पिकअप जब्त चालक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले की देवकर पुलिस चौकी ने गौवंश तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन मवेशियों से भरी पिकअप वाहन को जब्त किया है। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं मामले में शामिल दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

पुलिस के अनुसार, जब्त वाहन में एक भैंस और दो पड़िया को बिना जरूरी दस्तावेजों के परिवहन किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पिकअप वाहन और मवेशियों समेत कुल 6.10 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। सूचना के बाद रोका गया वाहन जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई 17 सितंबर को की गई। गौवंश सेवक पुनीत साहू को सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन क्रमांक उक्र25 द 8641 में मवेशियों को भरकर देवकर की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुनीत साहू अपने साथियों के साथ नवकेशा चौक पहुंचे। सुबह करीब 9:30 बजे संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर उसकी जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में चालक करण यदु मौजूद मिला। इसी दौरान बाइक से राजेश गोस्वामी भी मौके पर पहुंच गया। राजेश गोस्वामी ने बताया कि वह देवादा-बेरला क्षेत्र से एक भैंस और दो पड़िया खरीदकर देवपुरा, तहसील गंडई लेकर जा रहा था।

पुलिस और मौजूद लोगों ने जब मवेशियों के परिवहन से संबंधित दस्तावेज और अनुमति पत्र मांगे तो आरोपी कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद जब उसे पुलिस चौकी चलने के लिए कहा गया तो राजेश गोस्वामी बाइक से जालबांधा रोड की ओर भाग निकला। पुलिस अब उसकी तलाश कर रही है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार चालक करण यदु ने बताया कि राजेश गोस्वामी ने ही उसे मवेशियों को देवपुरा ले जाने के लिए पिकअप वाहन लाने के लिए कहा था। जांच में पुलिस को यह भी पता चला कि मवेशियों को वाहन में पर्याप्त चारा और पानी की व्यवस्था के बिना ठूंस-ठूंसकर भरा गया था।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की। 6.10 लाख रुपए का सामान जब्त देवकर पुलिस चौकी ने कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन कीमत करीब 5.80 लाख रुपए तीन मवेशी कीमत करीब 30 हजार रुपए जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 6.10 लाख रुपए बताई गई है। फरार आरोपी की तलाश जारी पुलिस ने मामले में करण यदु (22 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरा आरोपी राजेश गोस्वामी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध अप्रवासियों की तलाश तेज, STF ने शुरू किया सघन चेकिंग अभियान

बेमेतरा। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बेमेतरा पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में गठित स्पेशल टास्क फोर्स और जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों की टीम द्वारा अवैध रूप से रह रहे बाहरी व्यक्तियों की पहचान के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के अलग-अलग थाना और चौकी क्षेत्रों में घुमंतु लोगों, डेरा लगाकर रहने वालों, होटल, ढाबा, लॉज संचालकों, किरायेदारों और बाहर से आने वाले मुसाफिरों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस टीम द्वारा आधार कार्ड समेत अन्य पहचान पत्रों का सत्यापन किया जा रहा है। बाहरी व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के वार्ड, गली-मोहल्लों में जाकर किराये के मकानों में रहने वाले लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। इसमें किरायेदार का नाम, माता-पिता का नाम, परिवार के सदस्यों की जानकारी, वर्तमान और स्थायी पता, आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर, शिक्षा संबंधी जानकारी और पहचानकर्ता का विवरण लिया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य जिले में रहने वाले लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोकना है। समाधान ऐप में दर्ज किया जा रहा डाटा पुलिस द्वारा मकान मालिकों और होटल-लॉज संचालकों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने यहां रहने वाले किरायेदारों और यात्रियों की जानकारी "समाधान ऐप" में अनिवार्य रूप से अपलोड करें। पुलिस टीम इस ऐप में दर्ज जानकारी की भी जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि किरायेदारों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने से किसी भी आपराधिक गतिविधि की जांच में सहायता मिलेगी।

सीवीओ सेल ने भिलाई में इंस्पायरिंग एथिक्स कार्यक्रम में छात्रों से संवाद, युवा अधिकारियों के साथ की चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

त्रैमासिक प्रिवेंटिव विजिलेंस कैंपेन के तहत भिलाई प्रवास पर आए सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी दिलीप कुमार ने 19 सितंबर को बीएसपी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। सुनीति उद्यान, सेक्टर-8 में आयोजित इंस्पायरिंग एथिक्स कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिक मूल्य, ईमानदारी और सही आचरण पर संवाद किया। छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने नैतिकता को रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में CGM प्रभारी (विजिलेंस, सेल) ज्ञानेश झा, ED (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती, ED (वित्त) प्रवीण निगम, ED पवन कुमार, ED (प्रोजेक्ट्स) पी के सरकार, ED (खदान) कमल भास्कर सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बाद में उश्ड ने बीएसपी की सतकर्ता गतिविधियों की समीक्षा की और युवा अधिकारियों के साथ कार्यस्थल पर नैतिक आचरण और जिम्मेदारी पर चर्चा की।

खुसीपार में ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़, 70 ग्राम हेरोइन के साथ महिला समेत 3 गिरफ्तार, 29 लाख का माल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खुसीपार में हेरोइन बिक्री के रैकेट का पदार्फाश किया है। पुलिस ने जोन-3 जीरो स्ट्रीट स्थित एक मकान में दबिश देकर 70.460 ग्राम हेरोइन के साथ एक महिला और दो पुरुषों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है।

थाना खुसीपार पुलिस को 19 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जोन-3 में अवैध रूप से हेरोइन बेची जा रही है। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर मकान में छापा मारा। पुलिस को देखकर महिला आरोपी भागने लगी, जिसे पकड़ लिया गया। तलाशी में पुलिस को 70.460 ग्राम हेरोइन (कीमत 14.09 लाख), बिक्री की 2.35 लाख नकद, 71.35 ग्राम सोने के 19 आभूषण, चांदी के आभूषण-बर्तन, 8 मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक तराजू मिला। कुल जब्ती 29.22 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने आरोपी जसबीर कौर उर्फ सोनू (25), नितेश सोनी (32) और तिरकेश निषाद (21) को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। दोनों विधि से संघर्षरत बालकों को बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है। थाना खुसीपार में अपराध क्र. 431/2026 के तहत NDPS एक्ट की धारा 8, 21(ख), 27अ में केस दर्ज कर जांच जारी है।

रायपुर के चर्चित 'वॉश एंड वॉश' ब्लैक करेंसी ठगी कांड में 2 और गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र के करोड़ों की ठगी वाले चर्चित Wash & Wash / Black Currency रूं मामले में रायपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय गिरोह के 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 11 हो गई है।

पुलिस ने पूर्व में 9 आरोपियों कनिज फातमा उर्फ भावना पांडेय, दीपिका पोलीवाल, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव उर्फ योगी, प्रवीण श्रीवास्तव उर्फ कैप्टन, मनोज श्रीवास्तव उर्फ बड़े सर, विवेक सिंह, शुभम पांडेय, योगेन्द्र चौहान और बालमुकुंद दीक्षित को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 4 करोड़ से अधिक नकदी, 20 मोबाइल, एटीएम कार्ड, नोट के आकार के काले पेपर, कांच की प्लेट्स और दस्तावेज जब्त किए गए थे, जिसकी कुल कीमत 4 करोड़ 2 लाख आंकी गई थी।

जप्त मोबाइलों के तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ के बाद पुलिस को महाराष्ट्र कनेक्शन मिला। इसके आधार पर टीम ने मुंबई के पालघर जिले से रामायण सिंह उर्फ अभिषेक सिंह (39) और दीपक सिंह (46) को लोकेट कर गिरफ्तार किया। दोनों मीरा रोड और विरार वेस्ट के रहने वाले हैं। थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 330/26, धारा 318(4), 61(2) BNS के तहत मामला दर्ज है। पुलिस दोनों आरोपियों से अन्य साथियों और ठगी के नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है।

जामुल में शराब पार्टी बनी खूनी जंग, दोस्त ने ईंट-पत्थर से पीटकर की हत्या

दुर्ग। जामुल थाना क्षेत्र के वार्ड-22 कुरूद बाजार चौक में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक 40 वर्षीय पुरण भारती मूल रूप से उतई का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार कमरे में मामा मनीष बघेल और भांजा राज जोशी बैठकर शराब पी रहे थे, तभी मनीष का दोस्त पुरण वहां पहुंचा। शराब पीने के दौरान गाली-गलौज को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी राज जोशी ने पुरण के सिर पर ईंट और पत्थरों से ताबड़तोड़ कई वार कर दिए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मामा मनीष बघेल ने खुद पुलिस को सूचना दी। जामुल पुलिस ने आरोपी राज जोशी सहित दोनों को हिरासत में लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पावर हाउस जवाहर मार्केट में ज्वेलरी दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छावनी थाना क्षेत्र के जवाहर मार्केट पावर हाउस में रविवार तड़के 3:21 बजे पारख ज्वेलर्स के स्टोर में भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दुर्ग अग्निशमन दल की एक टीम मौके पर पहुंची। दुकान पूरी तरह आग की चपेट में आ चुकी थी। अग्निशमनकर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए आग पर काबू पाया और एक गाड़ी पानी की मदद से उसे आसपास की दुकानों में फैलने से रोक लिया। प्रारंभिक तौर पर लाखों के नुकसान का अनुमान है। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है।

जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी दिनेश कुमार राउते ने बताया कि मार्केट की संकरी गलियों के कारण दमकल वाहन को अंदर ले जाने में काफी दिक्कत आई, फिर भी टीम ने समय पर पहुंचकर बड़ा हादसा टाल दिया। मौके पर किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस कार्रवाई में दल प्रभारी विजय चतुर्वेदी, कर्मी रामनाथ कुरे, जितेन्द्र वर्मा, हरीश शामिल रहे।

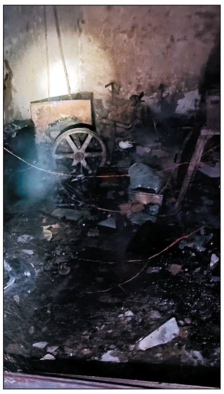

आकाशीय बिजली का कहर, बलौदाबाजार में छात्र समेत 4 लोगों की मौत

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के ग्राम सेमरिया में रविवार दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 15 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। वहीं इससे एक दिन पहले जांजगीर-चांपा जिले में भी बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। लगातार हो रही इन घटनाओं से प्रभावित परिवारों में शोक का माहौल है। प्रशासन और पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है। खेत में पूजा करने गया था छात्र जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार जिले के ग्राम सेमरिया निवासी छात्र योनेश कन्नौजे, पिता राजूराम कन्नौजे रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे खेत में पूजा करने गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया। दोपहर करीब 2:30 बजे तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में छात्र आ गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने तुरंत छात्र को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। गांव में पसरा मातम घटना की सूचना मिलते ही पलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। छात्र की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। वहीं प्रशासन की ओर से भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जांजगीर-चांपा में बिजली गिरने से तीन की मौत वहीं शनिवार को जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा क्षेत्र में भी आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हुआ था। जानकारी के मुताबिक, अचानक मौसम खराब होने के दौरान तेज बारिश और बिजली चमकने लगी। इस दौरान महुदा गांव में कुछ लोग बाड़ी में काम कर रहे थे। बारिश से बचने के लिए वे पास में बनी झोपड़ी में चले गए थे। इसी दौरान आसमान से तेज गड़गड़ाहट के साथ बिजली गिरी और झोपड़ी में मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए।

लंगूरवीर मंदिर की रुपयो से भरी दान पेटी उठा ले गए चोर

दुर्ग। शनिचरी बाजार स्थित भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ के समीप रखी काँच की पारदर्शी दान पेटी चोरी होने का मामला सामने आया है। मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा पूजन-अर्चना एवं धार्मिक कार्यों के लिए अर्पित की जाने वाली राशि इस दान पेटी में रखी हुई थी। घटना के समय दान पेटी में करीब 4 हजार रुपये की राशि होने की संभावना व्यक्त की गई है। पूरी घटना मंदिर परिसर में लगे उउळश कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर शनिचरी बाजार पब्लिक ट्रस्ट दुर्ग के सचिव रविशंकर ढीमर द्वारा कोतवाली पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई गई है। सीसी टीवी फुटेज में संबंधित लोगों का मंदिर परिसर में प्रवेश करना, दान पेटी के पास जाना और उसे उठाकर ले जाना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100